MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-23 ❖ मुंबई ❖ रविवार 29 मई से 04 जून 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

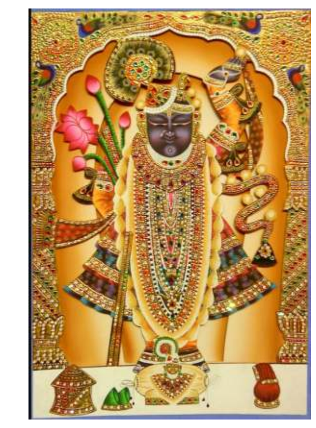

पेज 3

छत्रपति शिवाजी के वंशज राज्यसभा की रेस से आउट, चुनाव न लड़ने का किया ऐलान, शिवसेना पर लगाया धोखा देने का आरोप

पेज 5

महामहिम श्री भगत सिंह कोश्यारी जी ने एक्टर, डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे का किया सम्मान

पेज 7

अक्षय कुमार ने दिखाई दरियालीदिली

पेज 8

आलीशान जिंदगी जीने के लिए चोरी करने लगा यूट्यूबर, कई घरों में डाला डाका, पुलिस ने दबोचा

एक नजर

भल्ला बने एनडीएमसी के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। भूपिंदर सिंह भल्ला को एनडीएमसी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भल्ला 1990 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं और वर्तमान में दिल्ली के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर तैनात हैं। उन्होंने देर शाम कार्यभार संभाल लिया है। वह पहले गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में सेवा देने के अलावा वाणिज्य विभाग और चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड में भी तैनात रहे हैं। शुक्रवार देर शाम कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की।

आजम की जमानत से जुड़ी शर्त पर रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के विधायक आजम खान की जमानत से जुड़ी इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शर्त पर रोक लगा दी। खान ने अपनी याचिका में दावा किया था कि यह शर्त उनके जौहर विश्वविद्यालय के एक हिस्से को ढहाने से संबंधित है, जिसे कथित तौर पर शत्रु संपत्ति पर कब्जा करके बनाया गया था। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई जमानत शर्त प्रथम दृष्टया असंगत है और दीवानी अदालत की 'डिक्री' की तरह लगती है।

नोएडा में सड़कों के किनारे क्रंकीट पर रोक

नई दिल्ली। एनजीटी ने उप्र के नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सड़कों के किनारे वाले हिस्सों में निर्धारित सीमा से अधिक 'कंक्रीट' (ठोस) बनाने पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ डॉ. अफरोज़ आलम की पीठ ने उप्र सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय, नोएडा और अन्य को नोटिस जारी किया।

मेरा मुंह मत खुलवाओ, शिवसेना का ऑफर ठुकराने पर संजय राउत का छत्रपति संभाजी राजे पर हमला

मुंबईः छत्रपति संभाजी राजे को शिवसेना की तरफ से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया जाएगा। इस तरह की चर्चा बीते दिनों में महाराष्ट्र की सियासत में चल रही थी। लेकिन ऐन वक्त पर शिवसेना कोल्हापुर के स्थानीय शिवसेना नेता संजय पवार को राज्यसभा के लिए अपना दूसरा उम्मीदवार बनाया। उसके बाद शुक्रवार को संभाजी राजे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर राज्यसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा की थी। इस दौरान उन्होंने शिवसेना पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि शिवसेना ने अपने वचन का पालन नहीं किया। संभाजी के आरोपों पर शनिवार को शिवसेना सांसद संजय राउत (Sanjay Raut) ने पार्टी की भूमिका रखी। जब उनसे इस संबंध में पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने कहा कि क्यों मेरा मुंह खुलवा रहे हो? छत्रपति शिवाजी किसी की जागीर नहीं हैं। वह संपूर्ण देश और विश्व के हैं। हमारे लिए राज्यसभा चुनाव का विषय खत्म हो चुका है। हमने संजय पवार को उम्मीदवारी दे दी है।

राजे के लिए आज भी आदर, लेकिन...

संजय राउत ने संभाजी राजे के राज्यसभा चुनाव और शिवसेना पर होने वाले विश्वासघात के आरोप का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमारे लिए अब राज्यसभा चुनाव का विषय खत्म हो चुका है। संभाजी राजे के प्रति हमारे मन में आज भी प्रेम और आदर है। लेकिन हमने संजय पवार को उम्मीदवारी दी है। संभाजी राजे ने उनकी भूमिका स्पष्ट की है। इसलिए हमें अब उस विषय विषय पर कोई बात नहीं करनी।

चंद्रकांत पाटिल शिवाजी महाराज के वंशज हैं क्या?

पुराने मामलों को निकालते हुए अब बीजेपी की तरफ से शिवसेना पर गद्दारी का आरोप लगाया जा रहा है। इस विषय पर भी संजय राउत ने जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि चंद्रकांत पाटिल इतने अधिकार से कैसे बोल रहे हैं। उन्होंने सीधा सवाल किया कि क्या वह शिवाजी महाराज के वंशज हैं? एक सामान्य शिवसैनिक को राज्यसभा में भेजने का फैसला किया गया है। पार्टी और जनता के लिए लड़ने वाले कार्यकर्ता को लोगों का प्रतिनिधि बनाया जाएगा। उद्धव ठाकरे के निर्णय पर हम सभी शिवसैनिकों को अभिमान है। छत्रपति संभाजी राजे ने शुक्रवार को यह ऐलान किया कि वह आगामी राज्यसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे।

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मुंबई में शिकायत दर्ज

मुंबईः उत्तर प्रदेश के बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने मुंबई के दादर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। अपनी शिकायत में एमएनएस के लीगल टीम ने कहा है कि बृजभूषण लगातार राज ठाकरे के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। वह लगातार भड़काऊ बयान दे रहे हैं साथ ही मराठी और हिंदी भाषिक लोगों में दूरियां पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लिहाजा बृजभूषण के खिलाफ आईपीसी की धारा 153 ए सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जाए। एमएनएस (MNS) की लीगल टीम ने दावा किया है कि पुलिस ने उन्हें भरोसा दिया है कि शिकायत की जांच कर जरूरी कदम उठाएंगे।

ड्रग्स मामला आर्यन को क्लीन चिट

एनसीबी ने दाखिल किया आरोपपत्र, 'पर्याप्त सबूतों के अभाव' में नहीं किया नामजद

नई दिल्ली/मुंबई

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को क्रूज जहाज पर मादक पदार्थ मिलने के मामले में शुक्रवार को क्लीन चिट दे दी। इस मामले में पिछले साल उन्हें गिरफ्तार किया गया था। एनसीबी ने शुक्रवार को मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। एजेंसी ने रजिस्ट्री के समक्ष आरोप पत्र जमा किया और विशेष एनडीपीएस अदालत दस्तावेजों के सत्यापन के बाद इसका संज्ञान लेगी।

एनसीबी प्रमुख एसएन प्रधान ने कहा, 'हमने सबूत के सिद्धांत के आधार पर जांच की।' प्रधान ने दिल्ली में कहा, "हमें 14 लोगों के खिलाफ भौतिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्य मिले और छह के खिलाफ सबूत अपर्याप्त थे।' उन्होंने कहा, "हमने शुरुआती जांच के दौरान मिले सभी तथ्यों पर विचार किया और (आर्यन के खिलाफ) कोई ठोस सबूत नहीं मिला।' यह पूछे जाने पर कि क्या शाहरुख खान से पूछताछ की गई तो उन्होंने कहा कि कुछ संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की गई, लेकिन उनके नाम नहीं बता सकता।

आर्यन खान के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि सच्चाई की जीत हुई है। उन्होंने कहा, "मैं राहत महसूस कर रहा हूं और मेरे मुवक्किल शाहरुख खान भी राहत महसूस कर रहे होंगे। सच्चाई की जीत हुई है। आखिरकार, इस युवक (आर्यन खान) पर आरोप लगाने या उसे गिरफ्तार करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला।"

- 14 लोगों के खिलाफ साक्ष्य मिले, छह के खिलाफ सबूत अपर्याप्त
- एनसीबी के मुताबिक आर्यन के पास से मादक पदार्थ नहीं मिले थे
- हमने सबूत के सिद्धांत के आधार पर जांच कीः एनसीबी प्रमुख प्रधान
- आर्यन के वकील रोहतगी ने कहा, सच्चाई की जीत, शाहरुख भी राहत महसूस कर रहे होंगे

इससे पहले मुंबई की एक अदालत में आरोप पत्र दाखिल करने वाले एनसीबी के अधिकारियों ने कहा कि आर्यन खान और पांच अन्य को 'पर्याप्त सबूतों के अभाव' के कारण मामले में नामजद नहीं किया गया है। एनसीबी ने एक बयान में कहा कि एसआईटी ने 'वस्तुनिष्ठ तरीके' से जांच की। आरोप पत्र में कहा गया है कि एनसीबी के मुंबई में स्थित क्षेत्रीय कार्यालय ने पिछले साल 2 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल और कॉर्डेलिया नामक कंपनी द्वारा संचालित जहाज से आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों में विक्रांत, इश्मीत, अरबाज, अयान, गोमित, नूपुर, मोहक और मुनमुन शामिल थे।

कोई मेडिकल टेस्ट, वीडियोग्राफी नहीं हुई : एनसीबी

एनसीबी ने कहा कि एसआईटी ने इस मामले की जांच में 'गंभीर अनियमितताओं' का पता लगाया है। एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि आर्यन को गिरफ्तार करने वाली उसकी पहली टीम ने आरोपी की अनिवार्य मेडिकल जांच, छापेमारी की वीडियो रिकॉर्डिंग और 'व्हाट्सएप चैट' के लिए सबूतों की पुष्टि जैसे नियमों का पालन नहीं किया। एनसीबी के महानिदेशक (डीजी) एस. एन. प्रधान ने कहा कि जांच में 'कमियां' थीं और अदालत में आरोपों को साबित करने के लिए आरोपियों के 'व्हाट्सएप चैट' को लेकर 'पुष्टि करने वाला सबूत' नहीं था।

एनसीबी के उप महानिदेशक (संचालन) और एसआईटी प्रमुख संजय कुमार सिंह ने कहा कि 'मूल आधार' यह है कि उनका मित्र (अरबाज खान) उनके लिए मादक पदार्थ ले जा रहा था और इसे साबित नहीं किया गया तथा उसे 'भ्रामक' पाया गया। सिंह ने कहा, 'उनके मित्र (अरबाज खान) ने इनकार किया कि वह आर्यन खान के लिए मादक पदार्थ ले गया था। वास्तव में, उन्होंने एसआईटी को बताया कि आर्यन खान ने कहा था कि क्रूज पर कोई मादक पदार्थ नहीं लाया जाना चाहिए क्योंकि एनसीबी काफी सक्रिय है।'

आर्यन को जिस सदमे से गुजरना पड़ा उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा : चिदंबरम

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने मादक पदार्थ मामले में अभिनेता शाहरुख खान के पुत्र आर्यन खान को क्लीन चिट मिलने के बाद शुक्रवार को कहा कि इस नौजवान को जिस सदमे से गुजरना पड़ा, उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने यह दावा भी किया कि जांच के बाद गिरफ्तारी होनी चाहिए, लेकिन आजकल बहुत सारे मामलों में इसका उल्टा हो रहा है।

चिदंबरम ने ट्वीट किया, 'यह अब स्पष्ट हो चुका है कि आर्यन खान के खिलाफ कोई सबूत नहीं था। इस नौजवान को जिस सदमे से गुजरना पड़ा, उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?' उन्होंने कहा, 'जांच के बाद गिरफ्तारी होनी चाहिए, दुखद है कि कई मामलों में पहले गिरफ्तारी होती है।'

केंद्र ने वानखेड़े के खिलाफ कार्रवाई के दिए आदेश

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र सरकार ने वित्त मंत्रालय से एनसीबी के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ क्रूज जहाज से मादक द्रव्य की बरामदगी मामले की कथित तौर पर लचर जांच करने को लेकर कार्रवाई करने को कहा है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कथित तौर पर फर्जी जाति प्रमाणपत्र देने के मामले में भी वानखेड़े के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा रही है। वानखेड़े भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए वित्त मंत्रालय नोडल प्राधिकरण है। वानखेड़े तब एनसीबी के मुंबई क्षेत्रीय निदेशक थे और उन्होंने एक क्रूज जहाज पर मादक द्रव्यों को लेकर की गई छापेमारी के बाद प्रारंभिक जांच का जिम्मा संभाला था। खबरों के मुताबिक वानखेड़े फिलहाल मुंबई में राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) में तैनात हैं।

आर्यन खान और पांच अन्य को अब क्लीन चिट मिल गई। क्या एनसीबी समीर वानखेड़े, उनकी टीम और निजी सेना के खिलाफ कार्रवाई करेगी? या वह दोषियों को बचाएगी

-नवाब मलिक का कार्यालय

हनुमान चालीसा पढ़ी तो जान से मार देंगे, नवनीत राणा को धमकी, दिल्ली में FIR दर्ज

मुंबईः महाराष्ट्र राज्य के अमरावती जिले से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को धमकी देने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर (FIR) दर्ज की है। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले नवनीत राणा को जान से मारने की धमकी फोन पर दी गई थी। उनसे यह कहा गया था कि अगर वह दोबारा हनुमान चालीसा का पाठ करने की कोशिश करेंगी तो उनका मर्डर कर दिया जाएगा। दिल्ली पुलिस की डीसीपी अमृता गुगुलोठ के मुताबिक नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 506 और 509 के तहत यह मुकदमा दर्ज किया गया है। नवनीत राणा ने बुधवार को यह शिकायत दर्ज करवाई थी।

राणा के पीए ने दर्ज करवाई शिकायत

यह शिकायत संसद नवनीत राणा के पर्सनल असिस्टेंट की तरफ से दी गई थी। जिसमें मंगलवार की शाम 5:27 से लेकर 5:47 के बीच सांसद महोदया के निजी मोबाइल नंबर पर 11 कॉल आए थे। फोन करने वाले व्यक्ति ने उनसे बड़े ही बेहूदा तरीके से बात की और उन्हें अपशब्द भी कहे थे। कंप्लेंट के मुताबिक कॉलर ने राणा को महाराष्ट्र आने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी थी।

हर हाथ में स्मार्ट फोन व हर खेत में ड्रोन मेरा सपना : मोदी

दो दिवसीय भारत ड्रोन महोत्सव में बोले पीएम

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 2014 से पहले शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग के प्रति 'उदासीनता' का माहौल था और इसके चलते गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने ड्रोन सहित अन्य प्रौद्योगिकी की मदद से सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाना सुनिश्चित किया है। उन्होंने यहां देश के सबसे बड़े ड्रोन महोत्सव के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री ने युवाओं से ड्रोन के क्षेत्र में और नये स्टार्टअप्स विकसित करने को कहा। उन्होंने कहा ,' ऐसे वक्त, जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, मेरा सपना है कि भारत में प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में एक स्मार्ट फोन हो,प्रत्येक खेत में एक ड्रोन हो और प्रत्येक घर में समृद्धि हो।' मोदी ने कहा कि भारत में ड्रोन प्रौद्योगिकी को लेकर जिस तरह का उत्साह देखा जा रहा है, वह अद्भुत है और यह इस उभरते क्षेत्र में रोजगार सृजन होने की संभावनाओं का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि आठ वर्ष पहले 'हमने सुशासन के नए मंत्रों को लागू करना शुरू किया और न्यूनतम सरकार तथा अधिकतम शासन के सिद्धांत पर चलते हुए जीवन और कारोबार की सुगमता को प्राथमिकता दी गई।' मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों के कार्यकाल में प्रौद्योगिकी को समस्या का हिस्सा समझा जाता था और इन पर 'गरीब विरोधी' होने का ठप्पा लगाने के प्रयास किए जाते थे। इसके कारण 2014 से पहले के शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग को लेकर उदासीनता का माहौल था और इसका सबसे ज्यादा असर गरीबों, वंचितों और मध्यम वर्ग पर पड़ा।

- 2014 से पहले प्रौद्योगिकी के प्रति थी 'उदासीनता'
- प्रौद्योगिकी को समस्या का हिस्सा समझा जाता था
- इन पर 'गरीब विरोधी' होने का ठप्पा लगाने के प्रयास किए जाते थे

यासीन मलिक को उम्रकैद के मायने

कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को एनआईए कोर्ट ने सजा सुनाई और कहा कि मलिक ने जो अपराध किए हैं, वे रेयरेस्ट ऑफ रेयर नहीं हैं। बता दें कि कोर्ट में मलिक ने अपराध कबूल कर लिया था लेकिन सजा पर जिरह के दौरान उसने ऐसी बातें कहीं, जिनका मकसद शायद अपने समर्थकों को संदेश देना था।

कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को एनआईए कोर्ट ने टेरर फंडिंग सहित अन्य मामलों में उम्रकैद और दस लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि मलिक आतंकवादी गतिविधियों की साजिश में शामिल था। वह परदे के पीछे से इन घटनाओं की योजना बनाता था। वह खुद इन्हें अंजाम नहीं देता था। वैसे, अदालत ने मलिक को फांसी की सजा नहीं सुनाई, जिसकी एनआईए ने मांग की थी। कोर्ट ने कहा कि मलिक ने जो अपराध किए हैं, वे रेयरेस्ट ऑफ रेयर नहीं हैं। गौर करने की बात है कि सुनवाई के दौरान मलिक ने अपराध कबूल कर लिया था। लेकिन सजा पर जिरह के दौरान उसने ऐसी बातें कहीं, जिनका मकसद शायद अपने समर्थकों को संदेश देना था। एनआईए के फांसी की सजा पर जोर दिए जाने पर उसने कहा, 'मैं किसी भी चीज के लिए भीख नहीं मांगूंगा। यह मामला अदालत के सामने है और फैसला मैं अदालत पर ही छोड़ता हूं।' इसी तरह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने पर उसने कहा कि अगर एनआईए इसे साबित कर देती है तो वह राजनीति से संन्यास ले लेगा। जाहिर है, जेल में होने और उम्रकैद की सजा मिलने के बाद भी वह अपनी राजनीतिक भूमिका को लेकर सतर्क है। अजीब बात है कि लंबे वक्त तक हिंसा की राह पर चलने और उसकी वकालत करने वाले मलिक ने खुद को महात्मा गांधी की परंपरा से जोड़ने की कोशिश की। इस पर अदालत ने बिल्कुल ठीक कहा कि मलिक को इसका अधिकार नहीं है क्योंकि हिंसा छोड़ने का दावा करने के बावजूद उसने आज तक कश्मीर घाटी में हिंसक गतिविधियों की निंदा नहीं की है। मलिक को अपने किए की सजा मिली है तो वह ठीक ही है। लेकिन जहां तक कश्मीर का सवाल है तो हमें यह बात याद रखनी होगी कि वहां किसी एक

व्यक्ति को किसी मामले में सजा दिला देना खास मायने नहीं रखता। उससे बड़ा सवाल यह है कि जम्मू-कश्मीर के आम लोग उस घटना को किस रूप में लेते हैं। उस संदर्भ में अच्छी बात है कि छिटपुट घटनाओं को छोड़कर कश्मीर घाटी में इसकी कोई बड़ी प्रतिक्रिया नहीं देखने को मिली। चाहे उग्रवाद और आतंकवाद से जुड़ी घटनाएं हों या अलगाववाद की वकालत करने वाली राजनीति- सरकार की असल चुनौती आम लोगों को इनसे अधिकाधिक दूर करते हुए इन्हें अलग-थलग साबित करने की है। और, यह काम वहां महज शांति व्यवस्था बनाए रखने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि शांति व्यवस्था कायम रखने के साथ ही लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भी बहाल किया जाए। अच्छी बात है कि सरकार उस मोर्चे पर भी सक्रिय है। उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही चुनाव होंगे और लोगों को अपनी सरकार चुनने का मौका मिलेगा।

जाति है तो गिनती भी होगी

किरीट ए. चावड़ा

आखिर सर्वदलीय बैठक की तारीख का औपचारिक एलान करके बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने साफ कर दिया कि वह जाति जनगणना के सवाल पर पीछे हटने को तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह बात पहली बार सितंबर 2021 में तब कही थी जब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर बताया था कि वह न तो जाति जनगणना करवाएगी और न ही 2011 की जनगणना के दौरान इकट्ठा किए गए आंकड़े सार्वजनिक करेगी। उसके बाद से बिहार विधानसभा दो प्रस्ताव पारित कर चुकी है, एक बार मुख्यमंत्री सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रधानमंत्री से मिल भी चुके हैं। लेकिन केंद्र सरकार का रुख बदलने के कोई संकेत नहीं हैं। यह जरूर माना जाने लगा था कि प्रदेश की गठबंधन सरकार के सबसे बड़े घटक दल बीजेपी की असुविधाजनक स्थिति का ख्याल रखते हुए मुख्यमंत्री शायद इस पर और जोर न दें। मगर ताजा एलान ने साफ कर दिया है कि जाति जनगणना को लेकर दोनों

पक्षों में तलवारें खिंचना तय हो चुका है। बहरहाल, हमारे सहयोगी अखबार 'टाइम्स ऑफ इंडिया' ने बुधवार को प्रकाशित एक संपादकीय में जाति जनगणना को अव्यावहारिक और अनावश्यक बताते हुए कहा है कि इस पर जोर देने के बजाय राजनीतिक दलों को समकालीन आर्थिक आंकड़ों के अभाव की चिंता करनी चाहिए।

अखबार का कहना है कि इस देश में जाति का सवाल बहुत उलझा हुआ है। साल 2011 में करवाई गई सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना में 46 लाख जातियां और उपजातियां सामने आ गईं। टीओआई का संपादकीय यह भी कहता है कि अगर एक बार विभिन्न जातियों और उपजातियों की संख्या के आंकड़े बाहर आ गए तो फिर उस आधार पर अलग-अलग समूहों की तरफ से आरक्षण की मांगें जोर पकड़ने लगेंगी जिनसे निपटना खासा मुश्किल साबित होगा। इस आशंका में सचाई का कुछ अंश हो सकता है कि जाति जनगणना के बाद विभिन्न समुदायों को मिलने वाले आरक्षण प्रतिशत में बदलाव की मांग उठेगी। मगर इस वजह से जाति जनगणना ही न करवाई जाए यह सुझाव बेतुका है। बल्कि, इस वजह से जाति जनगणना की जरूरत और बढ़ जाती है। जाति व्यवस्था को चाहे जितना भी भला-बुरा कहा जाए जाति भारतीय समाज की एक ऐसी हकीकत है जिसे झुठलाकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता। देश में लंबे समय से जातियों के आधार पर शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था लागू है। ऐसे में विभिन्न जाति समुदायों की वास्तविक संख्या को लेकर ठोस और प्रामाणिक आंकड़े भी उपलब्ध होने चाहिए। ये आंकड़े जितने सही और सटीक होंगे उन पर आधारित नीतियां भी उतनी ही कारगर होंगी। इसलिए जरूरी है कि जाति की सचाई को दबाकर रखने की मानसिकता से पीछा छुड़ाते हुए हम प्रामाणिक जाति जनगणना करवाने की राह पर आगे बढ़ें।

अब नहीं तो कब सुधरेगी सबसे पुरानी पार्टी

गणेश पाण्डेय

उदयपुर में हुआ कांग्रेस का चिंतन-शिविर और राहुल गांधी की लंदन-यात्रा- दोनों घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनसे कांग्रेस के उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद जगना आसान नहीं लग रहा है। वैसे चिंतन-शिविर, यह नाम अपने आप में बहुत आशा जगा देता है। उम्मीद की जा रही थी कि कांग्रेस के नेता इस शिविर में इस मुद्दे पर विचार करेंगे कि पार्टी दिनोंदिन कमजोर क्यों होती जा रही है? उसके नामी-गिरामी नेता और कई कार्यकर्ता दूसरी पार्टियों की तरफ क्यों लपक रहे हैं? उसके कारण क्या हैं और उन कारणों का निवारण कैसे किया जाए? चिंतन-शिविर तो पूरा हो गया, लेकिन क्या कांग्रेस की चिंता दूर हुई?

परिवारवाद का घेरा

कांग्रेस की चिंता देश को इसलिए करनी चाहिए कि यदि वह खत्म हो गई और उसका कोई सक्षम विकल्प नहीं उभरा तो भारत का लोकतंत्र निरंकुश हो सकता है। भारत में सत्तारूढ़ दल की स्थिति वैसी ही हो जाएगी, जैसी कि चीन और रूस में है। यदि भारत के लोकतंत्र की चिंता कांग्रेस को होती तो सबसे पहले वह अपने आंतरिक लोकतंत्र पर ही विचार करती। वह कांग्रेस को परिवारवाद के घेरे से बाहर निकालने की कोशिश करती। उसने 50 वर्ष तक के कांग्रेसियों को महत्व देने का प्रस्ताव किया, यह प्रशंसनीय पहल है। लेकिन जरा सोचिए कि इसी पहल को 40 साल तक क्यों नहीं सीमित किया गया? सिर्फ 5 साल के पार्टी अनुभव के पीछे भी वही कारण है, जो 50 साल की सीमा के पीछे है।

कांग्रेस दुनिया की सबसे पुरानी पार्टियों में है। भारत को आजादी दिलाने और स्वतंत्र भारत में लंबे समय तक शासन करने का श्रेय उसे है। लेकिन उसकी देखादेखी पिछले चार-पांच दशक में क्या हुआ है? देश की लगभग सभी प्रादेशिक पार्टियां प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां बन गई हैं। कोई बाप-बेटा पार्टी है तो कोई भाई-भाई पार्टी। कोई बाप-बेटी पार्टी है तो कोई बुआ-भतीजा पार्टी। इन पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। इनकी अपनी कोई विचारधारा नहीं है। इनका मूल आधार या तो जाति है या मजहब। अपने-अपने प्रांतों में ये पार्टियां सत्ता में हों या विरोध में, काफी शक्तिशाली हैं। लेकिन ये अपना गठबंधन बना लें और कांग्रेस को अपना नेता भी मान लें तो क्या इनकी सरकार चल पाएगी? यदि कांग्रेस को देश के लोकतंत्र की चिंता होती तो सबसे पहले वह कांग्रेस के अध्यक्ष, महासचिवों और कार्यसमिति के सदस्यों के लिए खुले चुनाव करवाने का निर्णय करती। भारत की दोनों अखिल भारतीय पार्टियों- बीजेपी और कम्युनिस्ट पार्टी- के नेता बराबर बदलते रहे हैं या नहीं? हर पांच-दस

साल में उनमें नया नेतृत्व उभर रहा है या नहीं? कांग्रेस ने केंद्र और राज्यों में अपनी करारी हार के बावजूद अपने नेतृत्व परिवर्तन का कोई विचार नहीं किया।

कांग्रेस के पास आज न तो नया नेतृत्व है और न ही कोई नीति। आजकल जिन इने-गिने प्रांतों में कांग्रेस की सरकारें चल रही हैं, वे प्रांतीय नेताओं के दम पर चल रही हैं। देश का शायद ही कोई गांव, कोई शहर या कोई जिला ऐसा होगा, जिसमें आज भी कांग्रेस के कार्यकर्ता न हों। लेकिन वे क्या करें? नेता का निर्माण तो सशक्त नीति से भी हो जाता है। यदि पार्टी की कोई ठोस विचारधारा हो, नीति हो, स्पष्ट कार्यक्रम हो, अभियान हो तो लाखों-करोड़ों लोग उससे अपने आप जुड़ जाते हैं और अपने आप नया नेतृत्व उभर आता है।

लेकिन उदयपुर के चिंतन-शिविर से क्या ऐसे किसी अभियान का प्रारंभ हुआ? राहुल गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस एकमात्र पार्टी है, जिसके पास विचारधारा है। कौन सी विचारधारा है? गांधीवाद? समाजवाद? गरीबी हटाओ? भारत को महाशक्ति बनाओ? भारत को महासंपन्न बनाओ? नहीं, ऐसी कोई विचारधारा तो बहुत दूर की बात है। कोई जबर्दस्त जन-अभियान ही कांग्रेस चला देती तो उसमें जान पड़ जाती। इतना लंबा किसान आंदोलन चला, लेकिन कांग्रेस बगलें झांकती रही। अब सोनिया गांधी कह रही हैं कि वे गांधी जयंती से 'भारत जोड़ो' यात्रा निकालेंगी। उनसे कोई पूछे कि भारत कहां से टूट रहा है, जिसे वे जोड़ना चाहती हैं? इस समय सारे अलगाववादी आंदोलनों की हवा निकली हुई है। यहां तक कि कश्मीरी अलगाववाद के तेवर भी ढीले पड़ गए हैं। अगर उदयपुर के शिविर में वास्तविक चिंतन होता तो कांग्रेस शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार जैसी ज्वलंत समस्याओं पर कोई क्रांतिकारी कार्यक्रम पेश करती। इन क्षेत्रों में थोड़ी बहुत प्रगति जरूर हुई है, लेकिन बुनियादी काम होना बाकी है। इन राष्ट्रीय समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय हमारी पार्टियां भाड़े के रणनीतिकारों की शरण में चली जाती हैं ताकि किसी तरह वे चुनाव जितवा सकें।

राहुल गांधी ने लंदन जाकर भारत की राजनीति, सरकार, पत्रकारिता, संघवाद और विदेश मंत्रालय के बारे में जो टिप्पणियां की हैं, क्या किसी जिम्मेदार नेता को ऐसा करना शोभा देता है? राहुल का यह कहना कि भारत-चीन विवाद रूस-यूक्रेन युद्ध का रूप ले सकता है, अपने आप में हास्यास्पद है। कहां भारत और कहां यूक्रेन? भारत को एकात्म राष्ट्र कहने के बजाय विभिन्न राज्यों का संघ बताना क्या देश में अलगाववाद को बढ़ावा देना नहीं है?

पाकिस्तान से तुलना

राहुल ने भारत की तुलना पाकिस्तान से कर दी। क्या बेढब और आश्चर्यजनक बात है। क्या भारत में फौज ने कभी वैसा मर्यादा-भंग किया है, जैसा वह पाकिस्तान में करती रहती है? क्या भारत का प्रधानमंत्री पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की तरह भीख की झोली फैलाए घूमता है? यह कहना तो ज्यादती ही है कि भारत के अखबारों और टीवी चैनलों पर सरकार का 100 प्रतिशत कब्जा है। यदि ऐसा है तो विपक्षी नेताओं को इतना प्रचार कैसे मिलता है? राहुल ने प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री पर घमंडी होने का आरोप लगा दिया लेकिन कांग्रेसी कार्यकर्ता आपको बताएंगे कि वे अपने नेताओं के बारे में क्या सोचते हैं। बहरहाल, कांग्रेस के फूल और पत्ते तो झरते जा रहे हैं लेकिन उसकी जड़ें अभी भी हरी हैं। उसकी स्थापना अंग्रेज नेता ए.ओ. ह्यूम ने 1885 में की थी। लेकिन उसे आगे भी जिंदा रहना है तो नेता और नीति, दोनों में नयापन लाना बेहद जरूरी है।

पॉलिटाक दास्तानः घने कोहरे में दिल्ली क्यों चली थी सेना

भूपेन्द्र पटेल

मुंबई में 26 नवंबर 2008 को हुआ आतंकी हमला बहुत ही बर्बर था। चार दिनों तक हुए इस नरसंहार में सैकड़ों लोग मारे गए थे। चंद आतंकियों ने पूरे देश को 60 घंटे तक बंधक बनाए रखा था। घटना के बाद मीडिया सरकार पर बुरी तरह हमलावर था। जिम्मेदारी तय करने की बात की जा रही थी। सुरक्षाकर्मियों को बेशक नायक की तरह पेश किया गया, जिन्होंने जान पर खेलकर कई लोगों की जान बचाई, लेकिन सरकार लोगों के निशाने पर थी। तभी 29 नवंबर को हमें जानकारी मिली कि अगले दिन गृह मंत्री शिवराज पाटिल पार्टी प्रवक्ताओं को घटना की जानकारी देंगे। सरकार का पक्ष किस तरह रखना है, यह बताएंगे।

हम सभी वहां पहुंचे और प्रवक्ता साथियों ने उनसे हर जरूरी सवाल पूछे। गृह मंत्री ने भी घटना के हर पहलू के बारे में पूरे विस्तार से बताया। हमारी ओर से उनसे कुछ असहज सवाल भी पूछे गए। मैंने अंत में गृह मंत्री से पूछा कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी क्राइसिस मैनेजमेंट कमिटी की मीटिंग क्यों नहीं हुई है? शिवराज पाटिल ने इस बारे में भी विस्तार से हमें जानकारी दी। उनका कहना था कि चूंकि इस घटना के बाद सारे फैसले शीर्ष स्तर से लिए जा रहे हैं तो समानांतर रूप से इस कमिटी की मीटिंग की जरूरत नहीं थी।

उधर 30 नवंबर को जब आतंकी हमले के बाद तमाम एहतियाती कदम उठाए ही जा रहे थे, महाराष्ट्र के सीएम विलासराव देशमुख फिल्म निर्देशक रामगोपाल वर्मा के साथ घटनास्थल का जायजा लेने चले गए। भले देशमुख की नीयत ठीक रही हो, लेकिन इतनी बड़ी आतंकी वारदात के तुरंत बाद वहां फिल्म निर्देशक के साथ जाना लोगों को नागवार गुजरा। चूंकि रामगोपाल वर्मा एक्शन फिल्में बनाते थे और सीएम के पुत्र रितेश देशमुख भी अभिनेता थे, तो लोगों को लगा कि वह फिल्म बनाने की संभावनाएं टटोलने वहां गए थे।

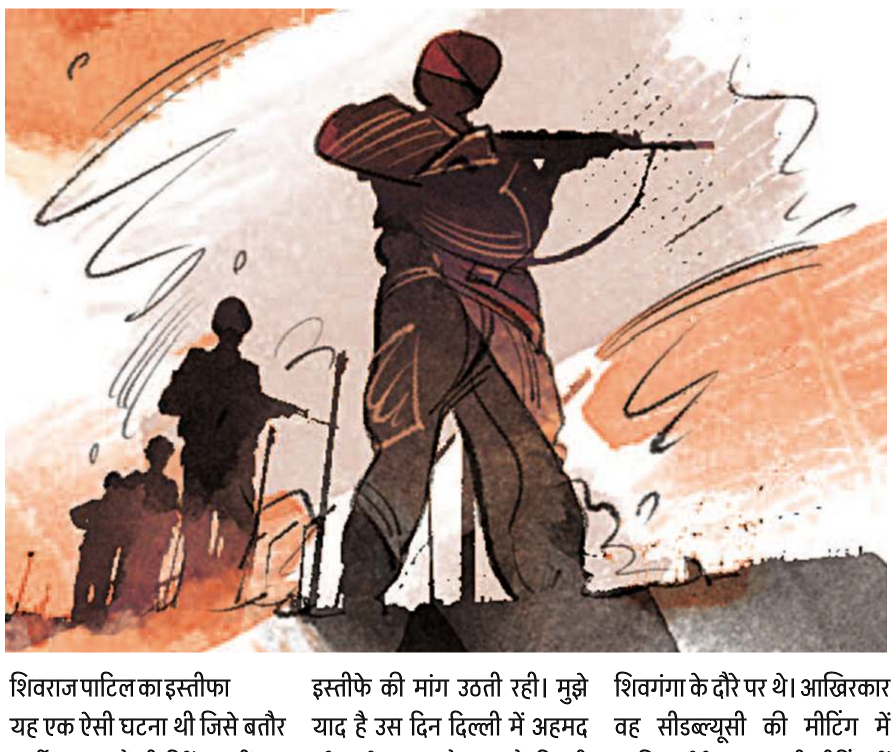

शिवराज पाटिल का इस्तीफा

यह एक ऐसी घटना थी जिसे बतौर पार्टी प्रवक्ता मैं भी डिफेंड नहीं कर सका और टीवी डिबेट में मैंने इसे गलत बताया। इस घटना के तुरंत बाद सीएम को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। लेकिन मीडिया को यह कार्रवाई नाकाफी लगी। होम मिनिस्टर शिवराज पाटिल के इस्तीफे की मांग उठती रही। मुझे याद है उस दिन दिल्ली में अहमद पटेल के पास बैठकर मैं दिल्ली विधानसभा चुनाव के संभावित नतीजों पर बात कर रहा था। बातचीत के दौरान ही अहमद पटेल बार-बार पी चिदंबरम को फोन करके बुला रहे थे। चिदंबरम तमिलनाडु में अपने संसदीय क्षेत्र शिवगंगा के दौरे पर थे। आखिरकार वह सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में शामिल होने आए। उसी मीटिंग में शिवराज पाटिल ने त्यागपत्र देने की पेशकश की, जिसे स्वीकार कर लिया गया और पी चिदंबरम देश के नए गृह मंत्री बने।

4 अप्रैल 2012 को एक अखबार में खबर छपी, जिसका शीर्षक था- जनवरी की रात में रायसीना हिल डरी, जब सेना की दो यूनिटें दिल्ली की ओर बिना सरकार को सूचित किए बढ़ चलीं। यह शीर्षक और पूरी खबर अपने आप में चिंता में डालने वाली थी। यह ऐसी खबर थी, जिसे कोई भी पूरी गंभीरता और संवदेशनशीलता के साथ बताएगा। लेकिन तब शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व और सेना के बीच रिश्ते में ऐसी दरार थी, कि ऐसी खबरों का दीवारों के बीच रहना संभव नहीं था। जिस खबर की गंभीरता को देखते हुए 11 हफ्ते तक रोकने की पुरजोर कोशिश की गई थी, वह अंततः सनसनीखेज तरीके से बाहर आ गई। हालांकि सेना सहित सभी पक्षों ने इस खबर को तथ्यहीन बताया, लेकिन हाल के दिनों में यह सबसे डरावनी वाली खबर थी जिसका असर देखा जा रहा था। दरअसल उसी साल 16 जनवरी की देर रात, जिस दिन तत्कालीन आर्मी चीफ वीके सिंह ने अपनी जन्म तिथि के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, केंद्रीय खुफिया एजेंसी ने अहम सेना यूनिट की अप्रत्याशित मूवमेंट की खबर दी थी। इसकी सूचना सरकार को नहीं थी। हालांकि मूवमेंट के प्रति शक या दुर्भावना तब तक नहीं थी, फिर भी सरकार ने रूटीन प्रक्रिया के तहत सभी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया।

यह सूचना पक्की थी कि सेना की इकाई दिल्ली की तरफ बढ़ रही है। इससे ठीक एक दिन पहले सेना दिवस का कार्यक्रम दिल्ली में समाप्त हुआ था। सेना के मूवमेंट को लेकर चिंता से अधिक कौतूहल था, उलझन थी। हाल के सालों में सेना और राजनीतिक नेतृत्व के बीच बेहद समन्वय और विश्वास वाले संबंध रहे हैं। लेकिन इस खबर के आने के साथ कि सेना की एक और यूनिट दिल्ली की ओर बढ़ने लगी है, चिंता बढ़ने लगी। रक्षा मंत्री को तुरंत सूचित किया गया। केंद्र सरकार के अंदर देर रात हलचल बढ़ी। केंद्र ने आतंकी खतरे का अलर्ट जारी करते हुए दिल्ली आने वाली हर गाड़ी की गहन जांच के आदेश दिए। अगले दिन प्रधानमंत्री को पूरी घटना के बारे में जानकारी दी गई। रक्षा सचिव शशिकांत शर्मा को मलेशिया दौरे के बीच से तुरंत बुलाया गया। उन्होंने देर रात दिल्ली लौटने के बाद लेफ्टिनेंट जनरल एके चौधरी जो उस समय डीजी, मिलिट्री ऑपरेशन थे, से आर्मी मूवमेंट के बारे में पूछा तो उन्होंने इसे एक सामान्य प्रक्रिया कहा। उनसे इस बारे में विस्तार से रिपोर्ट देने को कहा गया। उस रिपोर्ट में भी यही कहा गया कि कोहरे के बीच सेना की मूवमेंट एक जगह से दूसरी जगह कितनी तेजी और सक्रियता से होती है, उसे परखने के लिए यह पूरी कवायद थी। हालांकि उनके तर्कों में सचाई थी, लेकिन तब भी कई सवालों के जवाब नहीं मिले थे। सामान्य प्रोटोकॉल के तहत इस मूवमेंट की जानकारी पहले क्यों नहीं दी गई? कई दूसरे असहज पहलू भी सामने आए जिनका बाद में जांच और पूछताछ में पता चला।

छत्रपति शिवाजी के वंशज राज्यसभा की रेस से आउट, चुनाव न लड़ने का किया ऐलान, शिवसेना पर लगाया धोखा देने का आरोप

मुंबई: छत्रपति संभाजी राजे ने आखिरकार आज औपचारिक रूप से यह ऐलान कर दिया कि वह आगामी राज्यसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि उन्हें किसी भी दल से समर्थन मिलता हुआ नजर नहीं मिला। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया था। उनका कहना है कि शिवसेना ने उनके साथ धोखा किया है। वो शिवसेना से राज्यसभा के लिए समर्थन चाहते थे। लेकिन शिवसेना ने उनके सामने पार्टी में शामिल होने की शर्त रख दी थी। जबकि संभाजी राजे निर्दलीय चुनाव लड़ना चाहते थे। इसी बात पर आम सहमति न बन पाने की वजह से शिवसेना ने उन्हें समर्थन देने से अपरोक्ष रूप से इंकार कर दिया। शिवसेना के दो नेताओं संजय राउत और संजय पवार ने गुरुवार को राज्यसभा के लिए अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया है। हालांकि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने संभाजी राजे को अपना समर्थन जरूर दिया है लेकिन उनके पास सिर्फ एक विधायक का संख्या बल है।

मेरा किसी भी दल से द्वेष नहीं

छत्रपति संभाजी राजे ने कहा कि मेरा किसी भी राजनीतिक दल से कोई द्वेष नहीं है। मुझे यह चुनाव निर्दलीय लड़ना था। लेकिन समर्थन ना मिल पाने की वजह से यह संभव नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल का अपना एजेंडा है। जिसके साथ मेरा जाना संभव नहीं है। मेरे लिए चुनाव से ज्यादा जनता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अब मैं पूरे महाराष्ट्र का दौरा करूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि मेरे लिए महाराष्ट्र के 42 विधायक मेरी ताकत नहीं हैं। बल्कि राज्य की जनता मेरी ताकत है।

मुझे मेरी ताकत देखनी है

संभाजी राजे ने कहा कि मुझे अब अपनी ताकत देखनी है उन्होंने कहा कि राज्यसभा के लिए 42 विधायकों का समर्थन मेरी ताकत नहीं है बल्कि राज्य की जनता का प्यार मेरी उर्जा है। उन्होंने कहा अब मैं अपने संगठन को बढ़ाउंगा और उसे मजबूत करूंगा। साथ ही पूरे महाराष्ट्र में कल से ही दौरे की शुरुआत करूंगा।

महाराष्ट्र में भीषण सड़क दुर्घटना:नशे में धुत्त ड्राइवर ने 20 फीट गहरी खाई में गिराई बस, 15 यात्री घायल; 6 गंभीर

महाराष्ट्र के पालघर में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 15 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। यहां एक स्टेट ट्रांसपोर्ट की मुसावल से बोईसर जाने वाली बस अनियंत्रित होकर 20 फीट गहरी खाई में गिर पड़ी है। रेस्क्यू ऑपरेशन में पालघर पुलिस स्थानीय लोगों की सहायता से जुटी हुई है। दुर्घटना के बाद मुंबई-पालघर हाईवे को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया है, रेस्क्यू का काम फायर ब्रिगेड की सहायता से अंजाम दिया जा रहा है। घायलों का पालघर ग्रामीण अस्पताल में इलाज जारी है। दुर्घटना वाघोबा खाई के पास हुई है। दुर्घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घायल यात्रियों को बस से उतारकर इलाज के लिए पालघर के सरकारी

अस्पताल में भर्ती कराया गया। ड्राइवर के नशे में धुत्त होने का आरोप बचे हुए यात्रियों का आरोप है कि एसटी बस का ड्राइवर नशे में धुत्त होकर बस चला रहा था। इसका यात्रियों ने विरोध भी किया था। उन्होंने एसटी कंडक्टर से शिकायत भी की थी, लेकिन उसकी ओर से कोई एक्शन नहीं लिया गया। नतीजतन, बस अनियंत्रित होकर 20 फुट गहरी खाई में गिर गई। घायलों में ड्राइवर भी शामिल है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस दुर्घटना के बाद स्टेट ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने इस मामले की जांच का आदेश दे दिया है।

सावधान : फिर बढ़ रहा है कोरोना, सीएम ने कहा - करें मास्क का इस्तेमाल

मुंबई। राज्य में कोरोना के मामले धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं इसलिए राज्य की जनता को मास्क का इस्तेमाल करते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्यमंत्रिमंडल की बैठक के बाद लोगों से यह अपील की। राज्य में फिलहाल पॉजिटिविटी दर 1.59 फीसदी है। मुंबई और पुणे शहरों में संक्रमण से सबसे ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं। मुंबई में मरीजों की संख्या 52.79 फीसदी बढ़ गई है। इसके अलावा आसपास के इलाके ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। फिलहाल केवल एक मरीज वेंटिलेटर पर है और 18 मरीज ऑक्सीजन पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या कम जरूर है पर कोरोना पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है इसलिए लोग एहतियात बरतें और मास्क पहनें। बुधवार को राज्य में कोरोना के 470 नए मरीज मिले थे। जबकि मंगलवार को नए मरीजों की संख्या 338 थी।

20 जून को विधान परिषद की दस सीटों पर मतदान

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र विधान परिषद की दस सीटों पर मतदान की बुधवार को घोषणा कर दी है। विधान परिषद के दस सदस्यों का कार्यकाल 7 जुलाई को समाप्त हो रहा है। इन सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया 2 जून से आरंभ होगी। मतदान 20 जून को होगा।

विधानसभा कोटे से निर्वाचित जिन दस सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें सदाशिव खोत, सुजीतसिंह ठाकुर, प्रवीण दरेकर, सुभाष देसाई, रामराजे नायक-निंबालकर, संजय दौंड, विनायक मेटे, प्रसाद लाड, दिवाकर रावते और रामनिवास सिंह शामिल हैं। सिंह की सीट 2 जनवरी 2022 से रिक्त है।

महाराष्ट्र के चौथे मंत्री पर एऊका शिकंजा:8 साल में 4 गुना बढ़ी अनिल परब की प्रॉपर्टी, पत्नी की संपत्ति में भी 25 गुना हुआ इजाफा

गुरुवार को परिवहन मंत्री और शिवसेना नेता अनिल परब के आधिकारिक आवास, निजी घर और मुंबई, पुणे और रत्नागिरी जिलों में 7 संपत्तियों पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने 14 घंटे तक छापेमारी की। ED ने उनके घर से कई दस्तावेज और बैंक अकाउंट से जुड़े कागजात को जब्त किया है। जांच में सामने आया है कि अनिल परब की प्रॉपर्टी 8 साल में 4 गुना, जबकि उनकी पत्नी की संपत्ति 25 गुना बढ़ी है।

गुरुवार को ED की यह रेड सुबह 6.30 बजे शुरू हुई थी और रात 8.30 बजे तक चली है। इस दौरान ईडी अधिकारियों ने परब से गहन पूछताछ भी की है। परब महाराष्ट्र सरकार के ऐसे चौथे मंत्री है, जिन पर प्रवर्तन निदेशालय ने शिकंजा कसने का प्रयास किया है।

ऐसे बढ़ी परब दंपती की दौलत

2010 में अनिल परब की चल-अचल संपत्ति 4 करोड़ 82 लाख 81 हजार 125 रुपये थी, यह साल 2018 में बढ़कर 17 करोड़ 58 लाख 70 हजार 559 तक पहुंच गई। वहीं, उनकी पत्नी सुनीता के पास 2010 में 9 लाख रुपये थी, जो 2018 में बढ़कर 2 करोड़ 37 लाख 35 हजार 102 रुपये पहुंच गई।

परब के पास चार कंपनियों का स्वामित्व

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, अनिल परब और सुनीता परब 3-3 कंपनियों में डायरेक्टर हैं। इन कंपनियों में दत्तात्रेय कंसल्टिंग एंड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, दत्तात्रेय एग्री फॉर्म प्राइवेट लिमिटेड, दत्तात्रेय डेवलपर्स और रिएलिटी प्राइवेट लिमिटेड और हैथवे दत्तात्रेय केबल नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड। इनमें से अनिल, हैथवे नाम की कंपनी में एकमात्र निदेशक हैं और सुनीता फ्यूल सॉल्यूशन में मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इनकी एक कंपनी दत्तात्रेय डेवलपर्स फिलहाल बंद है।

जांच में सामने आया है कि अनिल परब की दत्तात्रेय कंसल्टिंग, दत्तात्रेय एग्री की कुल पूंजी 1 लाख रुपये से भी कम है। ED को शक है कि यह एक शेल कंपनी है और इसका इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया गया है।

ED ने दर्ज किया नया केस

ताजा जानकारी के मुताबिक, ED ने रत्नागिरी जिले के दापोली में एक रिसॉर्ट की कथित बिक्री और खरीद के संबंध में PMLA अधिनियम के तहत एक नया केस दर्ज किया है। हालांकि, मंत्री अनिल परब की ओर से दावा किया है कि रिसॉर्ट के गंदे पानी को समुद्र में छोड़ने के झूठे आरोप के बाद यह जांच की गई है। मैंने सभी सवालों के जवाब और जरूरी दस्तावेज अधिकारियों को दे दिए हैं। अनिल परब ने कहा, हम सही समय पर इसके पीछे की राजनीतिक पृष्ठभूमि का खुलासा करेंगे। इसी मामले में ईडी ने पुणे में परब के करीबी लोगों की संपत्तियों पर भी छापेमारी की है।

महाराष्ट्र के चौथे मंत्री, जिन पर ED का शिकंजा

अनिल परब महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार के ऐसी चौथे मंत्री हैं, जिनके खिलाफ ED ने इस तरह की कार्रवाई की है। इससे पहले ईडी ने एनसीपी नेताओं और मंत्रियों अनिल देशमुख, नवाब मलिक और प्राजक्ता तानपुरे के खिलाफ भी कार्रवाई की थी। गृह मंत्री और एनसीपी नेता अनिल देशमुख को 3 नवंबर 2021 को गिरफ्तार किया गया। जबकि, अल्पसंख्यक मंत्री और एनसीपी प्रवक्ता नवाब मलिक को 23 फरवरी 2022 को गिरफ्तार किया गया।

क्या BMC चुनावों को देखते हुए हुई कार्रवाई?

साल 2000 से बीएमसी में शिवसेना सत्ता पर काबिज है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इसके पीछे अनिल परब का ही हाथ है। उन्हें मुंबई में शिवसेना का सुपर ब्रेन कहा जाता है। वे इस बात में माहिर हैं कि कैसे समीकरण बैठाकर शिवसेना को बीएमसी चुनावों में जीत दिलाई जा सकती है। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव अगस्त-सितंबर में हो सकते हैं।

शिवसेना को हो सकता है बड़ा नुकसान!

ED अगर परब पर शिकंजा कसती है तो शिवसेना को बड़ा नुकसान हो सकता है। पेशे से वकील परब शिवसेना का कानूनी पक्ष देखते हैं। 9 नगर निगम के आगामी चुनावों का जिम्मा भी परब के कंधों पर है। परब संसदीय कार्य मंत्री भी हैं। राज्यसभा की 6 और विधान परिषद की 10 सीटों के लिए अगले हफ्ते चुनाव हो रहे हैं। इन सीटों का चयन विधान सभा के सदस्यों में से किया जाएगा।

ऐसे अंजाम दी गई ED की कार्रवाई

गुरुवार सुबह साढ़े छह बजे सीआरपीएफ के जवानों के साथ ईडी की एक टीम परब के मुंबई स्थित घर पहुंची और इस कार्रवाई को अंजाम दिया। छापेमारी का नेतृत्व ED के सहायक निदेशक तसीन सुल्तान ने किया। ईडी के अधिकारी जब घर आए तो परब बांद्रा स्थित अपने घर पर थे। दूसरा दस्ता परब के मंत्रालय के सामने सरकारी आवास 'अजिंक्यतारा' पहुंचा। ईडी की कार्रवाई का शिवसैनिकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध किया। ईडी की छापेमारी रात आठ बजे तक जारी रही। ईडी ने यह खुलासा नहीं किया कि छापेमारी में क्या मिला।

कलाकार के तौर पर खुद को कभी सीमित नहीं रखेंगे

मुंबई। सुकृति और प्रकृति, जो अब युवा शो दिल बीट्स: सच्चे प्यार की अनफिल्टर्ड कहानियां के नए सीजन की मेजबानी कर रही हैं, ने कहा कि- कलाकार के रूप में वे खुद को केवल गायन तक सीमित नहीं रखना चाहते हैं। लेकिन नृत्य, अभिनय और बहुत कुछ में विस्तार करेंगी। जुड़वां बहनें सुधार जा, माफियां, कहनी हां कहती ना, हम तुम, सोना लगड़ा और मजनू जैसे कुछ सुपरहिट स्वतंत्र गाने के लिए जानी जाती हैं। अब जब वे युवा शो दिल बीट्स: सच्चे प्यार की अनफिल्टर्ड कहानियां की मेजबानी कर रही हैं, तो वे टीवी होस्ट के रूप में अपनी क्षमता का पता लगाने के लिए बहुत उत्साहित हैं। सुकृति ने कहा- हम इस नए शो को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

चकदा एक्सप्रेस को लेकर जमकर पसीना बहा रहीं अनुष्का

मुंबई। अनुष्का शर्मा, (जो वर्तमान में अपनी आगली फिल्म चकदा एक्सप्रेस के लिए मैदान पर पसीना बहा रही है) ने हाल ही में फिल्म के लिए ट्रेनिंग को लेकर अपनी आपबीती साझा की। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी पर अपने अभ्यास सत्र के डाउनटाइम से एक सेल्फी साझा की। सेल्फी में उन्हें सफेद टी-शर्ट में देखा जा सकता है, जिसमें उनके बाल बंधे हुए हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा- काश बचपन में कुछ तो क्रिकेट खेला होता तो आज हालत ऐसी ना होती। प्रोसित रॉय द्वारा निर्देशित चकदा एक्सप्रेस झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित है,

तीन महीने बाद सबसे ज्यादा केस, महाराष्ट्र में फिर बढ़ रहा कोरोना, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की मास्क लगाने की अपील

मुंबई: एक बार फिर कोरोना अपने पांव तेजी से पसारने लगा है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आम आदमी से मास्क पहनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समय रहते हम लोग सावधानी बरतें, ताकि कोरोना आगे बढ़ने नहीं पाए। बात यहीं पर खत्म हो जाए। गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक में कोरोना की वर्तमान स्थिति की जानकारी स्वास्थ्य विभाग ने दी। कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि हम सभी को सावधान हो जाना चाहिए। पिछली बार भी कोरोना के मरीजों की संख्या इसी तरह से बढ़ा था और देखते ही देखते मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ गया। सभी को अभी से सतर्क हो जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ठाकरे ने राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद लोगों से अपील की कि वे मास्क का उपयोग फिर से शुरू कर दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में साप्ताहिक कोरोना वायरस संक्रमण दर 1.59 फीसदी है और मुंबई तथा पुणे में संक्रमण से सबसे ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं। मुंबई में मरीजों की संख्या 52.79 फीसदी बढ़ गई है। आसपास के इलाके ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में भी मरीजों की संख्या बढ़ी है। फिलहाल केवल एक मरीज वेंटिलेटर पर है और 18 मरीज ऑक्सिजन पर हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या कम जरूर है, पर कोरोना पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, इसलिए लोग ऐहतियात बरतें और मास्क पहनें। मुंबई सहित राज्य में कोरोना के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राज्य में कोरोना के नए मरीजों की संख्या गुरुवार को 500 के पार हो गई है।

सुप्रिया सुले राजनीति में क्यों? घर जाकर खाना पकाएं, बीजेपी नेता चंद्रकांत पाटिल की फिसली जुबान, एनसीपी ने किया पलटवार

मुंबई: बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांत पाटील द्वारा शरद पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले के खिलाफ की गई टिप्पणी पर एनसीपी ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। सुप्रिया सुले के भाई और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि हम भी बहुत कुछ बोल सकते हैं, लेकिन यह महाराष्ट्र की संस्कृति नहीं है। पाटील के बयान को उनकी ही पार्टी के लोगों ने पसंद नहीं किया है। राजनीतिक नेताओं को सार्वजनिक रूप से बोलते समय संयम बरतना चाहिए और उन्हें ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहिए, जिससे भावनाओं को ठेस पहुंचे।

सुप्रिया सुले के पति सदानंद सुले ने भी पाटील की टिप्पणी की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'यह बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हैं, जो सुप्रिया के बारे में बोल रहे हैं। मैंने हमेशा कहा है कि वे नारी द्वेषी हैं और जब भी मौका मिलता है महिलाओं को नीचा दिखाते हैं। मुझे अपनी पत्नी पर गर्व है जो एक गृहिणी, मां और एक सफल नेता है, जो भारत की कई अन्य मेहनती और प्रतिभाशाली महिलाओं में से एक हैं। यह सभी महिलाओं का अपमान है।'

एनसीपी की महिला शाखा की प्रदेशाध्यक्ष विद्या चव्हाण ने कहा कि एक व्यक्ति जिसने एक महिला विधायक का टिकट काटकर उनकी सीट से खुद चुनाव लड़ा, वह एक ऐसी सांसद का अपमान कर रहा है, जिन्हें दो बार संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि आप मनु स्मृति में विश्वास करते हैं, लेकिन हम अब चुप नहीं रहेंगे। चंद्रकांत पाटील को भी रोटी बनानी सीखनी चाहिए, ताकि वह घर पर अपनी पत्नी की मदद कर सकें। क्या कहा था चंद्रकांत पाटील ने! ओबीसी को आरक्षण देने की मांग को लेकर किए जा रहे एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान बुधवार को चंद्रकांत पाटील ने टिप्पणी की थी, 'सुप्रिया सुले राजनीति में क्यों हैं, आप घर जाकर बस खाना बनाइए। दिल्ली जाइए या कब्रिस्तान में, लेकिन हमें ओबीसी आरक्षण दिला दें। लोकसभा सदस्य होने के बावजूद, आपको इसकी जानकारी कैसे नहीं है कि मुख्यमंत्री से मिलने का समय कैसे लिया जाता है।' हालांकि, विवाद के बाद पाटील ने सफाई देते हुए कहा कि वह ग्रामीण शैली में बोल रहे थे और उनकी बात का मतलब महिलाओं या सुले का अपमान करना नहीं था। पाटील ने कहा, 'मैं तो जब भी सुले से मिलता हूं, हम सम्मान के साथ एक-दूसरे को अभिवादन करते हैं।'

महाराष्ट्र में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे बीजेपी के 40 नेता हुए गिरफ्तार

मुंबई पुलिस ने बुधवार को बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं चंद्रकांत पाटिल प्रवीण दरेकर और सुधीर मुनगंटीवार सहित लगभग 40 कार्यकर्ताओं को उस वक्त हिरासत में लिया, जब वे चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण की मांग को लेकर राज्य सचिवालय के पास पार्टी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे. एक अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि हिरासत में लिए गए सभी बीजेपी कार्यकर्ताओं को दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान ले जाकर छोड़ दिया गया। ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर शुरू किया विरोध प्रदर्शन

इससे पहले बीजेपी के कुछ कार्यकर्ताओं ने चुनाव में ओबीसी के लिए आरक्षण की मांग को लेकर दक्षिण मुंबई में महाराष्ट्र सचिवालय 'मंत्रालय' के पास पार्टी कार्यालय के बाहर सुबह करीब 11 बजकर 30 मिनट पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस समय प्रदर्शनकारी करीब 250 कार्यकर्ताओं के साथ अपनी मांगों को लेकर मंत्रालय जाने की योजना बना रहे थे, मरीन ड्राइव पुलिस ने हस्तक्षेप किया और उन्हें अपने पुलिस वाहन में ले जाना शुरू किया।

राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर, राज्य बीजेपी प्रमुख चंद्रकांत पाटिल और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार सहित कम से कम 40 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। अधिकारी ने बताया कि आजाद मैदान ले जाने के बाद उन सभी को छोड़ दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने लगा दी थी आरक्षण पर रोक बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इस साल की शुरुआत में स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की बहाली की सिफारिश करने वाली महाराष्ट्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अंतरिम रिपोर्ट खारिज कर दी थी। अदालत ने राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग से पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर कार्रवाई नहीं करने को भी कहा था।

दोस्ती कैसे खराब होती है

हिरल शाह

कभी-कभी दोस्ती जीवन के लिए होती है, बचपन से शुरू होकर दशकों तक बढ़ती है। अन्य समय में, मित्रता परिस्थितिजन्य होती है, जो हमारे जीवन में केवल कुछ बिंदुओं या स्थानों तक ही टिकती है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस गतिशील का हिस्सा हैं, दोस्ती को बर्बाद करने वाली छोटी-छोटी चीजों से बचना महत्वपूर्ण है। अक्सर, बहुत देर होने से पहले साधारण सुधार दोस्ती को बचा सकते हैं, लेकिन कभी-कभी अंतर्निहित समस्या को समय पर पहचाना नहीं जाता है। यदि आप स्वयं को यह सोचते हुए पाते हैं कि आपकी मित्रता क्यों नहीं टिकती है, तो विचार करें कि क्या आप निम्न में से किसी के लिए दोषी हैं।

अपनी बातचीत को सीमित करें

कुछ मित्रताएँ स्वाभाविक रूप से निरंतर संचार में रहती हैं, जहाँ दोनों पक्ष अक्सर हर दिन एक दूसरे के साथ जाँच करते हैं। हालाँकि, यदि आप एक ऐसा रिश्ता स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं जहाँ विज़िटिंग, कॉलिंग, टेक्स्टिंग, सोशल मीडिया, ईमेलिंग और वीडियो चैटिंग एक दैनिक घूमने वाला द्वार है, तो यह एक कदम पीछे हटने का समय हो सकता है।

दोस्ती कितनी भी वफादार क्यों न हो, हर किसी को अपने पर्सनल स्पेस की जरूरत होती है।

यदि आप इस प्रकार के संबंधों के आरंभकर्ता हैं, तो संभावना है कि आप अपने मित्र को अपने जीवन में अन्य प्रतिबद्धताओं का आनंद लेने या उन पर ध्यान केंद्रित करने से रोक रहे हैं। इस प्रकार की गहन मित्रता के अंत में कोई व्यक्ति जल्दी से जलन और झुंझलाहट का अनुभव कर सकता है। जब किसी मित्र के साथ संचार की बात आती है तो सीमाओं को बनाए रखना महत्वपूर्ण है, चाहे आप कितने भी करीब क्यों न हों।

अपने दोस्त को अपने बारे में पर्याप्त जानकारी न देना भी कमजोर दोस्ती का एक कारण है

एक मित्रता को उचित अंतःक्रिया की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके बिना, आपके या आपके मित्र के लिए एक दूसरे के बारे में जानने का कोई संभव तरीका नहीं है। यदि आप एक-दूसरे को गहरे स्तर पर नहीं जान रहे हैं, तो एक-दूसरे की ज़रूरतों को पूरा करना लगभग असंभव है क्योंकि उन ज़रूरतों को आवाज़ नहीं दी जा रही है।

सहानुभूति भूलकर भी बर्बाद हो सकती है दोस्ती

एक दोस्ती जिसमें सहानुभूति की कमी होती है वह जल्दी से अस्वस्थ दोस्ती बन सकती है। अस्वस्थ मित्रता व्यक्तियों के बीच कोई संतुलन नहीं रखती है, एक दूसरे की पसंद के लिए नकारात्मक आलोचना की अनुमति देती है, और लोगों को यह भी महसूस करा सकती है कि जब वे एक साथ होते हैं तो वे अंडे के छिलके पर चल रहे होते हैं।

ऐसी कोई बात न करें जो विवादास्पद हो

राजनीति या सामाजिक आर्थिक स्थिति के बारे में बहुत अधिक चर्चा करना, जानबूझकर और अवचेतन रूप से दोस्ती में नफरत में रेंगना शुरू कर सकता है| किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संबंध बनाना 100% संभव है, जिसमें आप बहुत कम हैं, चाहे वह सांस्कृतिक परवरिश, धार्मिक विश्वासों या सामाजिक आर्थिक स्थिति के कारण हो। एक बार जब आप ध्रुवीय-विपरीत दोस्ती बनाए रखने के लिए संघर्ष कर सकते हैं, जब नैतिक मूल्य चलन में आते हैं।

प्रशंसा या संतुलन की कमी

किसी भी रिश्ते की तरह, दोस्ती को जीवित रहने के लिए एक निश्चित स्तर की प्रशंसा की आवश्यकता होती है। यदि आप लगातार अपने दोस्त से एहसान माँग रहे हैं, फिर भी कभी भी दयालु या उपलब्ध नहीं दिखते हैं, जब उन्हें मदद की ज़रूरत होती है, तो आप शर्त लगा सकते हैं कि दोस्ती लंबे समय तक नहीं चलेगी।

एक दूसरे से छुपाना

अगर ऐसा लगता है कि दोस्ती केवल पाठ या सोशल मीडिया के माध्यम से ही जीवित रहती है, तो यह एक निश्चित संकेत है कि चीजें आसानी से टूट सकती हैं। गुणवत्तापूर्ण मित्रता को विकसित होने के लिए किसी प्रकार की व्यक्तिगत बातचीत की आवश्यकता होती है।

आमने-सामने की बातचीत हमें मौखिक और गैर-मौखिक रूप से संवाद करने, विश्वास बनाने और किसी स्थिति में किसी भी भ्रम को तुरंत स्पष्ट करने की अनुमति देती है।

प्रत्येक दोस्ती अलग होती है, और केवल आप ही यह निर्धारित कर सकते हैं कि आपके रिश्ते में सीमाएं कहां हैं। जब तक दोस्ती में दोनों पक्ष संतुलन हासिल करने, एक-दूसरे का सम्मान करने और उनके बीच समान रूप से ध्यान केंद्रित करने के लिए काम करते हैं, तब तक बंधन बना रहेगा। संचार की सही मात्रा सभी रिश्तों के लिए आवश्यक है, जिसमें हमारे अपने दोस्तों के साथ भी शामिल हैं, इसलिए यदि आप चिंतित हैं तो आप कुछ ऐसा कर रहे हैं जो आपकी दोस्ती को बर्बाद कर रहा है, बस अपने दोस्त से पूछो इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

अध्ययन में चेतावनी: बीमारी न होते हुए भी इस समस्या के कारण हर साल लाखों लोगों की हो रही है मौत, हालात और भी बिगड़ने की आशंका

दुनियाभर में हृदय रोग, कैंसर, डायबिटीज और फेफड़े की बीमारियों को मृत्यु के प्रमुख जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है, हालांकि कुछ स्थितियां बीमारी न होते हुए भी हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण बन रही हैं। वैश्विक स्तर पर साल दर साल बढ़ता तापमान उनमें से ही एक है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में हाल ही में

प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि अस्थिर तापमान के कारण साल 2000 से 2019 तक हर साल औसतन 1.75 मिलियन (17.5 लाख) मौत हुई। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस तरह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है और हर साल तापमान का स्तर नई ऊंचाइयों पर पहुंचता जा रहा है, ऐसे में मौतों के इस आंकड़े के बढ़ने की आशंका बनी हुई है। भारत सहित दुनिया के ज्यादातर देश मौजूदा समय में बढ़ते तापमान के शिकार हैं। इस साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो मई महीने की शुरुआत में ही देश के कई राज्यों में पारा 45 डिग्री को पार कर गया है। वहीं विशेषज्ञों की मानें तो आदर्श रूप से इंसान का शरीर 35-37 डिग्री तक का ही ताप सहन कर सकता है। ऐसे में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण कई तरह की जानलेवा समस्याओं का जोखिम बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिकों ने अफसोस जताई है कि फिलहाल इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक स्तर पर कोई ठोस नीति नजर नहीं आ रही है।

बढ़ते तापमान के साथ बढ़ रही है मृत्युदर

बढ़ते तापमान के खतरे को जानने के लिए शोध कर रही वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि साल 2000 से 2019 के बीच वैश्विक स्तर पर होने वाली कुल मौतों का 3.4 प्रतिशत, तापमान परिवर्तनशीलता के कारण है। वैज्ञानिकों ने आशंका जताते हुए कहा है कि अगर तापमान बढ़ने की दर इसी तरीके से जारी रही तो आने वाले वर्षों में मौत का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है।

शोधकर्ताओं का कहना है इस बढ़ते मृत्यु के जोखिम को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सख्य उपाय किए जाने की आवश्यकता है, वरना यह एक बड़ी समस्या के तौर पर उभरती हुई देखी जा रही है।

अध्ययन में क्या पता चला?

इस अध्ययन के लिए, शोधकर्ताओं के नेतृत्व वाली टीम ने 43 देशों के 750 स्थानों से तापमान परिवर्तनशीलता और मृत्यु दर के बीच संबंध का पता लगाया। टीम ने पाया कि एशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में तापमान अधिक होने के कारण मौत के मामले सबसे ज्यादा रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। हर दशक के आधार पर देखें तो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 7.3 प्रतिशत, यूरोप में 4.4 प्रतिशत और अफ्रीका 3.3 प्रतिशत की दर से मौत के आंकड़ों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। यह वैश्विक चिंता का विषय है।

क्या कहते हैं अध्ययनकर्ता?

बढ़ते तापमान के जोखिम के बारे में बताते हुए मोनाश क्लाइमेट, वायु गुणवत्ता अनुसंधान के निदेशक प्रोफेसर युमिंग गुओ कहते हैं, जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की सबसे प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं में से एक है। हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि वायु प्रदूषण की तरह ही बढ़ते तापमान के कारण मृत्यु दर बढ़ने का खतरा है। तापमान तेजी से अस्थिर होता जा रहा है, जिससे कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ गया है। मानव और पशु दोनों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए काउंटरमेजर्स की आवश्यकता है।

चार्ल्स पटेल

अध्ययन का निष्कर्ष?

अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर समय रहते इस वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए सख्त कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भी विकराल हो सकते हैं। जलवायु से संबंधित खतरों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर कई नीतियां बनाई गई हैं, हालांकि, तापमान परिवर्तनशीलता के स्वास्थ्य पर पड़ते नकारात्मक प्रभावों से निपटने के लिए न ही कोई खास नीति है न ही इस तरफ ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। जबकि आंकड़े साफ बताते हैं कि यह बड़े जानलेवा खतरे के रूप में उभरती गंभीर समस्या है।

विशेषज्ञों की सलाह: हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए इस तरह से सोना है फायदेमंद, कंट्रोल में रहता है रक्तचाप

रंजनबेन मसोया

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को हृदय रोगों का प्रमुख कारक माना जाता है। लगातार बनी रहने वाली यह समस्या गंभीर स्थितियों में हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थितियों का भी कारण बन सकती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को रक्तचाप के स्तर को कंट्रोल करने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। हाई ब्लड प्रेशर जिसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है, इसे नियंत्रित रखने के लिए आहार और जीवनशैली दोनों पर ध्यान देना आवश्यक माना जाता है। इस स्थिति को नजरअंदाज करना गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों को हाइपरटेंशन की समस्या है, उनमें यह जीवनभर बनी रह सकती है। हाइपरटेंशन को सिर्फ कंट्रोल किया जा सकता है, इसलिए रोगियों को स्थिति को नियंत्रित करने वाले सभी प्रयास करते रहने चाहिए। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि हाइपरटेंशन की स्थिति को नियंत्रित करने में आपके सोने के तरीके की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आइए जानते हैं कि किस तरह से सोने को स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्थिति को कंट्रोल करने वाला उपाय मानते हैं? हाइपरटेंशन के बारे में जानिएहाइपरटेंशन को कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में जानने से पहले यह जानना आवश्यक हो जाता है कि आखिर यह समस्या है क्या? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक धमनी की दीवारों के खिलाफ लंबे समय तक रक्त के बढ़े हुए दबाव की स्थिति को हाई ब्लड प्रेशर माना जाता है। हमारा हृदय कितना रक्त पंप करता है और धमनियों में रक्त प्रवाह के प्रतिरोध की मात्रा कितनी है, इस आधार पर रक्तचाप के स्तर का निर्धारण किया जाता है। नियमित रूप से सभी लोगों को इसकी जांच कराते रहना चाहिए। हाइपरटेंशन को कंट्रोल करने के लिए जरूरी है पर्याप्त नींद स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सभी लोगों के लिए रोजाना रात में 6-8 घंटे की नींद लेना आवश्यक हो जाता है, वहीं यदि आपको हाइपरटेंशन की समस्या है तो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। कुछ शोध बताते हैं कि जिन लोगों को नींद विकार या फिर निर्बाध नींद लेने में दिक्कत होती है, ऐसे लोगों में हाइपरटेंशन विकसित होने का खतरा अधिक हो सकता है। आइए जानते हैं कि सोने के तरीके का इस समस्या को कंट्रोल करने में क्या योगदान माना जाता है? सोने के इस तरीके को माना जाता है फायदेमंद स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सोने के तरीके का रक्तचाप के स्तर पर विशेष फर्क पड़ता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए पेट के बल सोने की आदत काफी सहायक हो सकती है। रक्त वाहिकाओं पर पड़ने वाले दबाव को कम करने के लिए इस तरीके से सोना काफी फायदेमंद माना जाता है।

स्लीप एपनिया जैसी समस्याओं में भी इस तरीके से सोने की आदत से लाभ मिलता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हाइपरटेंशन को कंट्रोल करने के लिए सोने के तरीके और कुल अवधि दोनों पर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि रोजाना नींद पूरी करने और आहार को संतुलित बनाए रखने पर ध्यान देते रहना चाहिए जिससे रक्तचाप को कंट्रोल किया जा सके। इसके अलावा रक्तचाप की समस्या के शिकार लोगों को सोडियम के सेवन को कम करने के साथ दैनिक व्यायाम की आदत को भी जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

ये आदतें बढ़ा देती हैं मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं, कहीं आप भी तो नहीं करते हैं ऐसी गलतियां?

शरीर के संपूर्ण फिटनेस को बनाए रखने के लिए सभी लोगों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत पर विशेष ध्यान देते रहने की आवश्यकता होती है। सामान्यतौर पर हम सभी शारीरिक समस्याओं से बचाव के लिए तो उपाय करते रहते हैं, पर मानसिक स्वास्थ्य को जाने-अनजाने अनदेखा कर दिया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं, ऐसे में एक को होने वाली समस्या का असर दूसरे के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। यही कारण है कि सभी लोगों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ बताते हैं हमारे खान-पान और दिनचर्या की आदतों का मानसिक स्वास्थ्य पर सीधा असर होता है। हम जाने-अनजाने रोजाना कई ऐसे काम करते रहते हैं जिनसे मानसिक स्वास्थ्य पर असर हो सकता है। कई आदतें आपको कम उम्र में ही तनाव-चिंता और डिप्रेशन जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का शिकार बना सकती है। ऐसी आदतों को लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। आइए आगे इस बारे में विस्तार से जानते हैं। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर रहें अलर्ट स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खराब मानसिक स्वास्थ्य ऐसी आदतों और व्यवहार को प्रदर्शित करता है, जिनसे हमारे सोचने और चीजों को महसूस करने के तरीके पर नकारात्मक असर हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य के शिकार लोगों को चिड़चिड़ेपन, उदासी, सुस्ती और व्यवहार में नकारात्मक बदलाव का अनुभव होता रह सकता है। यह स्थितियां रक्तचाप को बढ़ाने और हृदय रोग की समस्याओं के चलते हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर देती हैं। शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करने की आदत बनाना काफी मददगार हो सकता है। व्यायाम की कमी न सिर्फ कई तरह की बीमारियों को बढ़ावा दे सकती है, साथ ही इसका मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर होता है। वर्कआउट करने से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है जो अवसाद, चिंता और तनाव की अनुभूति को कम करने में सहायक है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मई माह का यह अंतिम सप्ताह बदलावों भरा रहेगा। अपनी इच्छाओं, जरूरतों को इस सप्ताह पूरा करने में सफल होंगे। बहुत दिनों से चल रहा मानसिक तनाव कम होगा। परिवार के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा। आर्थिक परेशानियां कम हो जाएंगी। नौकरीपेशा और कारोबारी लोग मानसिक चिंताओं से मुक्त होंगे और लाभ की स्थिति में आएंगे।

वृषभ : सप्ताह शुभ है। कार्यो में उचित सफलता मिलेगी। मानसिक शारीरिक मजबूती प्राप्त होगी। धन का आगमन होगा। पैसों की बचत होने लगेगी। नौकरी और व्यवसाय में बदलाव होने के योग हैं। पारिवारिक और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। प्रेम प्रकरणों में लाभ होगा। रोगों से मुक्ति मिलेगी। यात्राएं होंगी। स्वास्थ्य बेहतर होगा।

मिथुन : सप्ताह के प्रारंभ में कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। यह पूरा सप्ताह आपके उत्साह और उमंग को बढ़ाने वाला रहेगा। पुराने सारे झंझटों से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक प्रसंगों में शामिल होंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से कोई कष्ट नहीं रहेगा। आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहने से मन भी प्रसन्न रहेगा।

कर्क : अब तक के आपके धैर्य का शुभ फल प्राप्त होगा। यात्राओं से लाभ प्राप्त करेंगे। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण हो सकता है। इसमें लाभ ही होगा। कारोबारी इस सप्ताह अपने कार्य में बदलाव या विस्तार कर सकते हैं। भूमि, संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। मानसिक स्थिति शांतिपूर्ण रहेगी। स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

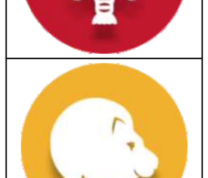
सिंह : सप्ताह उत्तम है। पिछले सप्ताह मिले दुखद समाचारों से उबरेंगे। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी और कारोबारियों को कार्य में अधिक समय देना होगा। विद्यार्थी वर्ग को अधिक मेहनत करनी होगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होने जा रही है। पारिवारिक जीवन में सभी का सहयोग प्राप्त रहेगा। दांपत्य जीवन के विवाद समाप्त होंगे।

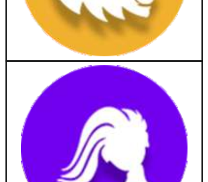
कन्या : परेशानियां कम होंगी। दांपत्य जीवन में अनुकूलता बनेगी। शारीरिक रूप से कमजोर महसूस करेंगे। आर्थिक स्थिति के लिए समय अच्छा है। पैसों की आवक होगी। भौतिक सुखों में वृद्धि के योग हैं। स्थितियां आपके वश में रहेंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। मित्रों और स्वजन से सहयोग मिलेगा। किसी विशेष कार्य के पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। संपत्ति खरीदने के योग हैं।

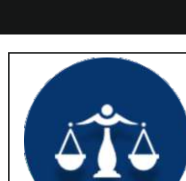
तुला : सप्ताह का प्रारंभ ठीक होगा किंतु मध्य में कोई विवादित स्थिति आ सकती है। जीवनसाथी के साथ विवाद हो सकता है। मानसिक रूप से परेशान रहेंगे। नौकरीपेशा और कारोबारी लोगों के लिए सप्ताह सामान्य रहेगा। आर्थिक परेशानियां कम होंगी और पैसों की बचत करने का समय रहेगा। पुराने मित्रों के साथ फिर से मिलना-जुलना होगा।

वृश्चिक : अपने क्रोध और अहंकार पर काबू रखना होगा। वरना रिश्ते खराब होते देर नहीं लगेगी। नौकरीपेशा को तरक्की मिलेगी। कारोबारियों को कार्य विस्तार करने का मौका मिलेग लेकिन कर्ज लेना पड़ सकता है। मां, बहन, मौसी से कोई उपहार मिल सकता है। विद्यार्थियों को बड़ी सौगात मिल सकती है। मानसिक शारीरिक रूप से मजबूत रहेंगे।

धनु : आपके लिए समय संभलकर चलने का है। किसी विवाद में न पड़ें। भाई-बहनों के साथ संबंध तनावपूर्ण बन सकते हैं। परेशानियां आएं तो उनका सामना साहस से करें। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आर्थिक कमी दूर होगी। नौकरी में तरक्की, कारोबार में लाभ होगा। पैसों की आवक भरपूर होगी। नए प्रेम प्रसंग प्राप्त हो सकते हैं।

मकर : पुरानी परेशानियां इस सप्ताह कुछ कम होंगी। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्य में परेशानी आ सकती है। व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद ठीक स्थिति में रहेंगे। परिवार का सहयोग रहेगा। नए प्रेम संबंध बन सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : सप्ताह उन्नतिदायक है। सोचे कार्य समय पर पूरे हो सकते हैं किंतु उद्यम आपको करना होगा। मानसिक शांति प्राप्त होगी। पुरानी परेशानियां कम होंगी। परिवार में कोई अस्वस्थ है तो वह ठीक हो जाएगा। आपसी समझ से दांपत्य जीवन बेहतर रहेगा। आर्थिक परेशानियों का अंत होगा। नौकरी-बिजनेस उत्तम रहेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

मीन : सप्ताह शुभ है। सारे अटके हुए काम बन जाएंगे। आर्थिक दृष्टि से मजबूत रहेंगे। नौकरी में तरक्की मिलेगी। बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। परिवारजन के साथ रहने से समय सुखद बन जाएगा। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। भूमि, संपत्ति, वाहन खरीदने के योग बनेंगे। सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा सम्मान में वृद्धि होगी। पुराने प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। नया प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है।

अगर पुरानी फिल्मों की तरह सिर्फ बेइज्जती करने से
दिल का दौरा पड़ता तो
हर प्राइवेट नौकरी वाला....
महीने में 8-10 बार तो मर ही जाता...!

मास्टर जी चीकू से- तुम्हारे अंग्रेजी में इतने कम नंबर क्यों आये?
चीकू- मास्टर जी, आया नहीं था ना उस दिन
मास्टर जी- अरे, क्या तुम पेपर वाले दिन आए ही नहीं थे?
चीकू- नहीं, वो मेरे बगल वाला लड़का नहीं आया था....

पप्पू - बेकार ही कहते हैं लोग कि
पत्नियां कभी अपनी गलती नहीं मानतीं...
मेरी वाली तो रोज मानती हैं...!
गप्पू - अच्छा, क्या कहती है ?
पप्पू - गलती हो गई तुमसे शादी करके...
जब से ये बात पप्पू की पत्नी को पता चली है तब से पप्पू अस्पताल में पड़ा है...

महामहिम श्री भगत सिंह कोश्यारी जी ने एक्टर, डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे का किया सम्मान

राज्यपाल भवन मुंबई में महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी जी मुख्यअतिथि, एक्टर, डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे जी विशेष अतिथि,अध्यक्ष श्री दिलीप कुमार जी ,श्री राकेश जी सचिव ने राज्यपाल भवन मुंबई में एक भव्य समारोह में अटल एवार्ड से हीरो, हीरोइनों , डायरेक्टर, लेखकों, कवियों, खिलाड़ियों को प्रदान किया यह एवार्ड हर साल दिया जाता हे पिछले 3 सालो से कोरोना के कारण नही दिया गया था, इस बार 2020,2021,2022 के एवार्ड दिए गये फ़िल्म " टंट्या भील मामा " में टंट्या के किरदार को अच्छी तरह से निभाया उसके लिए बेस्ट एक्टर का एवार्ड श्री मुकेश आरके चौकसे को और फ़िल्म " डाकू मलखान सिंह " के लिए बेस्ट डायरेक्टर का एवार्ड महाराष्ट्र के महामहिम श्री भगत सिंह कोश्यारी जी के करकमलो द्वारा दिया गया, यह पहली बार हे जब मालवा निमाड़ के कार्तिकारी के जीवन को पर्दे पर दिखाया गया,मध्यप्रदेश के बड़ोदा अहीर { पंधाना जिला खंडवा } गांव में 1832 में जन्मे क्रांतिकारी टंट्या भील मामा के जीवन पर फीचर फ़िल्म मुकेश आरके चौकसे के निर्देशन में 2 घंटे 20 मिनिट कि बनाई थी जो सिल्वर जुब्ली रही, इसी फ़िल्म ने टंट्या मामा को पुनः जीवित किया अब टंट्या भील मामा पर पार्ट 2 का निर्माण शुरू हो गया हे जिसमे साऊथ के सुपर स्टार सुमन तलवार, प्रीती चौकसे, शक्ति कपूर, रंजीत, संजय मालवी, प्रशांत जमुलिकर अभिनय कर रहे हे, महामहिम श्री भगत सिंह कोश्यारी जी ने एक्ट्रेस सुश्री प्रीती ओम चौकसे को बेस्ट सपोटिंग एवार्ड फ़िल्म " टंट्या भील मामा " में झांसी कि रानी का किरदार निभाया था , कवि पूजा श्री को कविता के लिए बेस्ट कवि.

मॉडल और महिला उद्यमी वंदना भारद्वाज का नया म्यूजिक एल्बम

सुनहरा नियम कितना सच है, जहाँ चाह है वहाँ राह है..!! खैर, सुंदर और बहु-प्रतिभाशाली वंदना भारद्वाज के पास पहले से ही बहुत कुछ है। यही कारण है कि उसने अलग-अलग रास्तों पर कदम रखा है: मॉडलिंग, अभिनय, गरीब बच्चों और जानवरों के लिए काम करने वाले एनजीओ कार्यकर्ता और महत्वपूर्ण रूप से एक सफल व्यवसायी और अन्य।तो, वंदना इस समय क्यों चर्चा में है ? उनका संगीत वीडियो एल्बम, 'इश्क विच ...' अभी बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया के साथ जारी किया गया था।वंदना खुशी से कहती हैं, "जब से मैं बच्ची थी, डांस हमेशा से मेरा जुनून रहा है। यह मेरा पहला एल्बम है, जो उस जुनून को अगली ऊंचाई तक ले जाता है।"अपने राज्य हिमाचल प्रदेश में एक प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने वाली एक मॉडल बनने से लेकर संगीत एल्बम तक व्यवसाय में आने तक के अपने सफर के बारे में पूछे जाने पर, वंदना कहती हैं कि वह हमेशा उद्देश्य की भावना से प्रेरित होती हैं और नई चीजों को तलाशती हैं। बॉलीवुड की आदर्श अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हैं, जो आत्मविश्वास से भरी वंदना कहती हैं, "मैं सपनों के शहर मुंबई आई हूं, जहां ढेर सारे सपने हैं.शुद्ध शाकाहारी वंदना अपना ज्यादातर समय पालतू जानवरों के साथ बिताती हैं। "उनका बिना शर्त प्यार मेरे लिए एक बूस्टर है," वंदना प्यार से बताती हैं।वंदना एक एनजीओ माई हेल्पिंग हैंड्स फॉर चिल्ड्रेन एंड एनिमल्स चला रही हैं। वे सामाजिक कार्यों के अलावा वंदना भी करती हैंB2C नेटवर्क के निदेशक और प्रवक्ता (मैरी क्लेयर सैलून और वेलनेस इंडिया) के साथ-साथ यूनाइटेड वेगन प्राइवेट लिमिटेड (चार्ली चैपलिन लावेगानो) के सह-संस्थापक और निदेशक।वंदना ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मुंबई ने मुझे एक पहचान दी है और मुझे एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में विकसित किया है।"

सिनेबस्टर मैगजीन के ओनर रॉनी रॉड्रिग्स डॉ तानिया संदीप झा व डॉ विवेक आदित्य मिश्रा की शादी में हुए शामिल

रॉनी रॉड्रिग्स, पर्ल समूह की कंपनियों के मालिक और सिनेबस्टर पत्रिका के प्रकाशक और प्रधान संपादक पवई मुम्बई के वेस्टिन होटल में उस समय स्पॉट किए गए जब वह 22 मई की शाम को यहां मुख्य अतिथि के रूप में संदीप झा की बेटी डॉ तानिया संदीप झा और डॉ विवेक आदित्य मिश्रा की शादी अटेंड करने गए थे। आपको बता दें कि इस शुभ अवसर पर बिहार सरकार के मिनिस्टर ऑफ इंडस्ट्रीज सय्यद शाहनवाज हुसैन और ऐक्टर रवि किशन भी गेस्ट के रूप में मौजूद थे। सभी ने दूल्हा दुल्हन को शादी की ढेर सारी बधाई दी।गौरतलब है कि रॉनी रॉड्रिग्स बेहद व्यस्त रहते हैं। उनका शेड्यूल काफी टाइट होता है। वह पर्ल ग्रुप की कंपनियों के ओनर हैं साथ ही विख्यात मैगज़ीन सिनेबस्टर के पब्लिशर और एडिटर इन चीफ भी हैं। मगर मिस्टर रॉनी रॉड्रिग्स एक सामाजिक व्यक्ति भी हैं, वह रिश्तों और दोस्ती को निभाना जानते हैं, अपने बिज़ी शेडयूल में से समय निकाल कर संदीप झा की बेटी डॉ तानिया संदीप झा और डॉ विवेक आदित्य मिश्रा की शादी में शामिल हुए।यह विवाह समारोह का एक भव्य आयोजन था, जहां मेहमानों का शाही अंदाज में स्वागत किया गया। तरह तरह के पकवानों और लज़ीज़ खानों के साथ साथ यहां म्युज़िक का भी इंतेजाम था।संदीप झा की बेटी डॉ तानिया संदीप झा दुल्हन के रूप में बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं वहीं डॉ विवेक आदित्य मिश्रा दूल्हे बनकर काफी खुश थे। दोनों की जोड़ी अच्छी लग रही थी। बेहतरीन सजावट और आकर्षक रौशनी के बीच यहां शादी की तमाम रस्में हुईं। यहां आए सभी मेहमानों के लिए यह एक यादगार शादी रही।इस ग्रैंड वेडिंग के पीआर की जिम्मेदारी रमाकांत मुंडे (मुंडे न्यूज़) ने बखूबी निभाई।

मध्य प्रदेश में 25 जून, एक जुलाई और आठ जुलाई को पंचायत चुनाव, नतीजे 14 और 15 जुलाई को

मध्य प्रदेश के निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने शुक्रवार को पंचायत चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी। तीन चरणों में पंचायतों के मतदान होंगे। पहला चरण 25 जून, दूसरा चरण एक जुलाई और तीसरा चरण आठ जुलाई को होगा। जिन चुनावों के लिए मतगणना विकासखंड मुख्यालयों पर होनी है, वह पहले चरण की 28 जून को, दूसरे चरण की चार जुलाई को और तीसरे चरण की 11 जुलाई को होगी। पंच, सरपंच, जनपद पंचायत के सदस्यों के चुनाव के नतीजे 14 जुलाई को और जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव के नतीजे 15 जुलाई को घोषित होंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 30 मई को सभी जिलों के कलेक्टर निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन करेंगे। नामांकन शुरू हो जाएंगे। तीन चरणों में चुनाव होंगे। नामांकन जमा करने की अंतिम तारीख छह जून होगी। सात जून को नामांकन पत्रों की समीक्षा होगी। दस जून को तीन बजे तक नामांकन वापस लिए जाएंगे। इसके बाद प्रतीकों का आवंटन होगा। पांच जिलों में एक चरण में चुनाव होगा। आठ जिलों में दो चरणों में चुनाव होगा। 39 जिलों में तीन चरणों में चुनाव होगा। 14 जुलाई को ब्लॉक मुख्यालय पर पंच, सरपंच, जनपद पंचायत के सदस्यों के चुनावों के नतीजे होंगे। इसी तरह 15 जुलाई को जिला पंचायत सदस्यों के रिजल्ट घोषित किए जाएंगे।

सीबीआई ने गोपनीय कागजों को किया जब्त', कांग्रेस सांसद कार्ति ने लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र

चीनी वीजा घोटाले में आरोपी कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने सीबीआई पर संसदीय विशेषाधिकार के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस सांसद ने इस संबंध में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, सीबीआई द्वारा संसदीय विशेषाधिकार का घोर उल्लंघन किया गया है। उन्होंने कहा, सीबीआई द्वारा तलाशी के समय संसदीय कागजात, जो आईटी समिति से संबंधित हैं जब्त कर लिए गए। उन्होंने कहा इन गोपनीय कागजातों को जब्त करने का अधिकार किसी के पास नहीं है। कार्ति लगातार दूसरे दिन पूछताछ के लिए सीबीआई दफ्तर पहुंचे। इससे पहले वह गुरुवार को भी सीबीआई के सामने पेश हुए थे। वहां लगातार नौ घंटे तक उनसे पूछताछ की गई थी। विदेश से लौटते ही सीबीआई के समक्ष पेश हुए कार्ति ब्रिटेन और यूरोप की यात्रा से लौटने के बाद कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम बृहस्पतिवार को सीबीआई के सामने पेश हुए। सीबीआई ने रिश्वत लेकर चीनी नागरिकों को वीजा दिलाने के मामले में कार्ति से करीब नौ घंटे तक पूछताछ की। कोर्ट ने उन्हें देश में लौटने के 16 घंटे के भीतर सीबीआई के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था। कार्ति बुधवार को विदेश से लौटे और बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे सीबीआई मुख्यालय पहुंचे। वहां मौजूद पत्रकारों से कार्ति ने कहा कि उन पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। उन्होंने एक भी चीनी नागरिक को वीजा दिलाने में कोई मदद नहीं की। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों के वीजा बनाने से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम व अन्य के खिलाफ बुधवार को केस दर्ज कर लिया। इस मामले में बीते दिनों कार्ति व उनके पिता पूर्व वित्त व गृह मंत्री पी. चिदंबरम के आवास पर सीबीआई द्वारा छापे मारे गए थे। आरोप है कि 2011 में जब कार्ति के पिता पी चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे तब पंजाब में काम कर रही एक चीनी कंपनी के लोगों को कथित तौर पर अवैध तरीके से वीजा (V i s a) दिलवाया गया था। मामले में कार्ति के करीबी भास्कर रमन के जरिए रिश्वत की रकम की हेराफेरी की गई। चीनी कंपनी के लोगों ने रमन के जरिए ही कार्ति से संपर्क साधा था।

सीबीआई ने गोपनीय कागजों को किया जब्त' , कांग्रेस सांसद कार्ति ने लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र

कलबुर्गी पुलिस ने हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ये युवती के भाई हैं। आरोपियों की पहचान शहाबुद्दीन (19) और नवाज (19) के रूप में की।

कर्नाटक के कलबुर्गी में युवती से संबंध को लेकर एक हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। एक साल में इस तरह की यह तीसरी वारदात है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये युवती के भाई बताए गए हैं।

पुलिस ने मृतक की पहचान विजय कांबले (25) के रूप में की। विजय पर सोमवार रात कलबुर्गी के वाडी कस्बे में चाकू और लोहे की रॉड से हमला किया गया। वह वाडी के भीमा नगर का रहने वाला था।

कलबुर्गी की एसपी ईशा पंत के मुताबिक हत्या सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे वाडी रेलवे स्टेशन के पास एक पुल के पास हुई। कलबुर्गी पुलिस ने हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। ये युवती के भाई हैं। आरोपियों की पहचान शहाबुद्दीन (19) और नवाज (19) के रूप में की। एक साल में इस तरह की यह तीसरी घटना है। एसपी पंत ने बताया कि विजय कांबले के शहाबुद्दीन की बड़ी बहन से रिश्ते थे। परिवार को इस रिश्ते के बारे में पता चल गया था और चूंकि ये दूसरे धर्म के व्यक्ति से रिश्ते का मामला था, इसलिए परिवार की नाराजगी थी। शहाबुद्दीन और नवाज ने सोमवार रात में कांबले को रेलवे पुल पर देखा और उनके बीच बहस हुई, इसी दौरान उन्होंने उस पर हमला कर दिया। उसकी गर्दन पर कई चोटें थीं, और सिर पर चोट के निशान थे। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पंत ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है। वाडी कस्बे में तनाव, बल तैनातघटना के बाद गुरुवार को कलबुर्गी जिले में खासकर वाडी कस्बे में सुरक्षा कड़ी कर दी गई। शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

क्रिकेटर विनोद कांबली, डायरेक्टर महेश मांजरेकर द्वारा सुप्रीमो ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 9 का भव्य उद्घाटन

सुप्रीमो ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट 2022: सीजन 9 का भव्य उद्घाटन 24 मई की शाम को एयर इंडिया स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड, कलिना, सांताक्रूज में किया गया। शिवसेना विभाग प्रमुख एमएलए संजय पोतनीस और परिवहन मंत्री, महाराष्ट्र सरकार डॉ. अधिवक्ता अनिल परब द्वारा इस टेनिस क्रिकेट मुकाबले का आयोजन किया गया है, जो 28 मई तक चलेगा।

इस अवसर पर यहां चीफ गेस्ट के रूप में श्री विनोद कांबली, महेश मांजरेकर, मिलिंद नार्वेकर, अनिल परब, नदीम मेमन मौजूद थे।

गणेश जी की भक्ति में यहां डांस परफॉर्मेंस भी पेश की गई। आतिशबाजी और संगीत के बीच इस अनोखे टूर्नामेंट का उद्घाटन हुआ। विजेता को मिलने वाली शानदार ट्रॉफी का भी यहां अनावरण किया गया।

फ़िल्म अभिनेता और निर्देशक महेश मांजरेकर ने यहां कहा कि मैं हर साल सुप्रीमो ट्रॉफी मुकाबले में आता हूँ।

संजय पोतनीस जी बहुत ही अच्छे ढंग से इस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करते आ रहे हैं। कोरोना काल की वजह से पिछले कई साल इसका आयोजन नहीं हो सका, लेकिन उस समय हालात भी वैसे ही थे और कोई इलाज नहीं था। मैं यहां के इंतेजाम देखकर खुश हूं, खिलाड़ियों के लिए काफी अच्छे इनाम रखे गए हैं इससे उनका हौसला बढ़ेगा।

विनोद कांबली ने यहां नारियल फोड़कर पहले मैच का आगाज़ किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन खिलाड़ियों के लिए सुनहरा मौका होता है। मैंने और सचिन (तेंदुलकर) ने भी इसी तरह के टूर्नामेंट से शुरुआत की थी। मैं तमाम खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दूंगा और उनसे कहूंगा कि खूब दिल खोलकर खेलें, कोई टेंशन न पालें, खेल को और मैच को एन्जॉय करें।

टूर्नामेंट के पहले दिन पैरामीटर वैष्णवी (रायगढ़) का मुकाबला शिरसत स्पोर्ट्स (नगर) से हुआ। दूसरा मैच टीडब्लूजे डॉमिनेटर्स (पालघर) और रोहित क्रिकेटर्स (वास्को गोवा) के बीच हुआ।

आपको बता दें कि सुप्रीमो चषक भारत का अब तक का सबसे बड़ा टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट है जो 24 मई 2022 से शुरू हुआ है और 28 मई 2022 तक एयरइंडिया स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड, कलिना, सांताक्रूज में आयोजित किया जाएगा।

यह टूर्नामेंट अपने सफल आयोजन के लिए पिछले आठ वर्षों में प्रमुखता, नियमों का कड़ाई से पालन और भव्य योजना की वजह से जाना जाता है।

प्रतियोगिता का लाइव कवरेज यूटयूब पर दिखाया गया जिसने प्रतियोगिता को एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बना दिया।

टूर्नामेंट का मुख्य आकर्षण सर्वश्रेष्ठ टीमों और टूर्नामेंट में खिलाड़ियों पर पुरस्कारों की बौछार है और इसके साथ ही इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को हर साल कार, मोटर बाइक और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

इस टूर्नामेंट में भारत के पूर्व क्रिकेटरों, महिला क्रिकेटरों, मुंबई टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों, हॉकी खिलाड़ी, बॉलीवुड सितारे, टेलीविजन सितारे आदि की उपस्थिति आकर्षण का केन्द्र बिन्दु होती है। इस साल भी यहां कई सेलिब्रिटीज टूर्नामेंट के दौरान नजर आने वाले हैं। उद्घाटन वाले दिन ही विनोद काम्बली जैसे क्रिकेटर और महेश मांजरेकर जैसे एक्टर डायरेक्टर नजर आए।

गौरतलब है कि सुप्रीमो फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं। सुप्रीमो ट्रॉफी का आयोजन कर गरीबों और संभावित खिलाड़ियों को एक मजबूत मंच प्रदान किया जाता रहा है।

केएल राहुल बैटिंग में हिट, कप्तानी में फ्लॉप:19 ओवर तक क्रीज पर रहे फिर भी रन रेट बेकाबू हुआ, दिग्गज बोले; टिककर नहीं खुलकर खेलो

केएल राहुल को हमेशा से विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है। टीम इंडिया के लिए कई मैच विनिंग पारियां खेल चुके इस खिलाड़ी ने लगातार तीसरे साल IPL में 600 रन का आंकड़ा पार कर लिया, लेकिन टीम एलिमिनेटर हारकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

एलिमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ राहुल ओपनिंग करने आए और 19वें ओवर तक क्रीज पर रहे। इसके बावजूद रन रेट को कैलकुलेट करते हुए टीम टारगेट चेज नहीं कर सकी। शुरुआती 45 गेंद खेलने के दौरान राहुल का स्ट्राइक रेट 100 के आसपास रहा, जिस कारण टीम रन चेज में पिछड़ गई। आखिरकार 208 का टारगेट चेज करते हुए टीम 14 रन से मैच हार गई।

लखनऊ की शिकस्त के बाद पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। शास्त्री के मुताबिक बीच के ओवरों में केएल राहुल की धीमी बैटिंग की वजह से मैच हाथ से निकल गया। शास्त्री का कहना है कि राहुल को चांस लेना चाहिए था। संजय मांजरेकर ने भी राहुल की इनिंग को थर्ड गियर इनिंग करार दिया है। पूर्व कीवी कप्तान डेनियल विटोरी ने कहा है कि राहुल तेज खेल सकते हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने स्लो इनिंग खेली।

राहुल की बल्लेबाजी के अंदाज से नाराज नजर आए रवि शास्त्री

एक अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट के मुताबिक शास्त्री मैच के बाद केएल राहुल की अप्रोच से नाराज दिखे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि थोड़ी तेजी से रन बनाने चाहिए थे। 9वें से 14वें ओवर के बीच किसी एक गेंदबाज को टारगेट करना चाहिए था, खास तौर पर पार्टनरशिप के दौरान। जब हुड्डा और राहुल बैटिंग कर रहे थे, तब मुझे लगता है कि राहुल को चांस लेना चाहिए था, क्योंकि हुड्डा रन बना ही रहे थे।'

RCB ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए। इस दौरान टीम के लिए रजत पाटीदार ने धमाकेदार बैटिंग की। उन्होंने 54 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 112 रन बनाए। पाटीदार ने 12 चौके और 7 छक्के लगाए। जबकि दिनेश कार्तिक ने अंत में नाबाद 37 रन बनाए। इसके जवाब में केएल की टीम लखनऊ 193 रन ही बना सकी।

संजय मांजरेकर ने राहुल को जिम्मेदारी निभाने लायक खिलाड़ी नहीं माना

संजय मांजरेकर का मानना है कि केएल राहुल जिम्मेदारी निभाने के लिए सही खिलाड़ी नहीं हैं। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "हम अब राहुल का यह रूप कई बार देख चुके हैं। जहां विराट कोहली, रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों ने लंबे समय तक IPL में टीम के प्रमुख बल्लेबाज और कप्तान की जिम्मेदारी को एक साथ बखूबी निभाया है, वहीं राहुल बार-बार नाकाम रहे हैं। शायद वह इस भूमिका के लिए सही व्यक्ति नहीं हैं।" मांजरेकर ने कहा, "एक कोच के रूप में मैं राहुल से बस यह कहना चाहूंगा कि वह अपने दिमाग से निकाल दें कि वह टीम को मैच जिताने जा रहे हैं। आप बस मैदान में जाइए और अपने खेल का मजा लीजिए। आपको पहले दिन से ही उनके खेल में फर्क दिखने लगेगा। ऐसा आप उनके आंकड़ों से भी समझ सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में, जहां राहुल नहीं विराट या रोहित टीम के प्रमुख बल्लेबाज होते हैं, वहां पर राहुल का स्ट्राइक रेट IPL की तुलना में बहुत अधिक हो जाता है।"

मांजरेकर ने करार दिया थर्ड गियर बैटिंग

मांजरेकर ने राहुल की इस पारी को 'तीसरी गियर की पारी' कहकर संबोधित किया और कहा कि उनकी टीम को तब फायदा होता, जब राहुल लंबा खेलने की बजाय तेज खेलने की सोचते। उन्होंने कहा, "जब राहुल पंजाब किंग्स के कप्तान थे, तब भी उनके साथ ऐसा हो रहा था। वह बड़ी पारियां खेलते तो थे, लेकिन उनकी टीम लक्ष्य का पीछा करने से कुछ रन पीछे रह जाती थी। राहुल की टीम इस साल भले ही बदल गई है, लेकिन उनके साथ अब भी वैसा ही हो रहा है।

राहुल को बड़े शॉट खेलने पर जोर देना चाहिए क्योंकि उनके पास ऐसा करने की क्षमता है। इस मैच में भी जब भी उन्होंने बड़ा शॉट खेलना चाहा, वह सफल हुए। उन्होंने जोश हेजलवुड पर कुछ अच्छे शॉट लगाए।

वह जब चाहें बड़े शॉट लगा सकते हैं, बस उन्हें इस अप्रोच के साथ मैदान में आना होगा कि वह लंबी नहीं तेज पारी खेलने आए हैं। वह उसी तरीके से खेलें, जैसे वह टीम इंडिया के लिए खेलते हैं।"

विटोरी ने कहा - क्षमता होने के बावजूद केएल राहुल तेज नहीं खेले

न्यूज़ीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी भी कहीं न कहीं मांजरेकर की बात से सहमत नजर आते हैं। विटोरी का मानना है कि बिना अधिक जोखिम लिए हुए भी केएल राहुल तेजी से रन बना सकते हैं और उन्हें अपनी इस क्षमता का पूरा उपयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा, "राहुल को इस अंदाज में इतनी लंबी बल्लेबाजी की जरुरत नहीं है। उनके पास क्षमता है कि वह तेज खेल सकें। आप उनसे ऐसा कुछ भी करने को नहीं बोल रहे हैं, जो कि वह कर नहीं सकते हैं। रजत पाटीदार ने अपनी शतकीय पारी के दौरान जितने जोखिम लिए, राहुल उसका आधा ही रिस्क लेकर उनसे अधिक महत्वपूर्ण पारी खेल सकते थे। इससे दीपक हुड्डा जैसे बल्लेबाज पर भी दबाव कम होता, जो कि अधिक रन रेट के कारण हर गेंद को मारने की सोच रहे थे। राहुल को वैसी ही बल्लेबाजी करने की जरूरत थी, जैसा वह भारत के लिए करते हैं।"

राहुल ने 58 गेंदों पर 79 रनों की पारी खेली। जब 200 से ज्यादा का टारगेट चाहिए हो, तो यह पारी उस लिहाज से धीमी ही कही जाएगी। बड़ी बात यह है कि राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा करने के लिए 43 गेंदें खेल लीं। लखनऊ की पारी में 43 गेंद ऐसी रहीं, जिन पर रन नहीं बन सके। राहुल ने अंत तक खेलने की योजना जरूर बनाई। जहां उन्हें तेजी से बल्लेबाजी करनी थी, वहां वह कामयाब नहीं हो सके। राहुल ने पिछले सीजन में कहा था कि स्ट्राइक रेट को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। इस सीजन राहुल का यही स्ट्राइक रेट टीम की हार की वजह बन गया।

फ्रेंच ओपन:सिमोना हालेप को मैच के दौरान आया पेनिक अटैक, मैच गंवाया; इगा की 30वीं जीत

विमेंस वर्ल्ड नंबर वन इगा स्विटेक फ्रेंच ओपन में 30वीं जीत के साथ ही तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। वहीं, सिमोना हालेफ को मुकाबले के दौरान पेनिक अटैक आया और वे मैच गंवा बैठी। वहीं, मैंस सिंगल्स में स्टेफानोस सितसिपास और डेनियल मेदवेदेव भी अपने-अपने मैच जीतकर तीसरे दौर में प्रवेश कर चुके हैं। 30 साल की रोमीनियन खिलाड़ी चाइना की झिंग क्वांन के खिलाफ मुकाबले में सांस लेने में कठिनाई महसूस करने लगी। उन्हें ट्रेनर को बुलाना पड़ा। आखिर में वे मैच 2-6 6-2 6-1 से मैच गंवा बैठीं। जब हलेफ को पेनिक अटैक आया तब वे सेट और ब्रेक से लीड कर रहीं थी। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन हलेप ने कहा कि मुझे नहीं पता कि इसे हैंडल कैसे करूं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। मैं वाकइ में नहीं जानती कि यह क्यूं हुआ।क्योंकि मैं बढ़त पर थी और अच्छा खेल रही थी। लेकिन, यह हुआ और मैं हार गई। मैं फोकस नहीं कर पा रही थी।

स्विटेक की जीत का सिलसिला जारी

साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम में इगा स्विटेक की जीत का सिलसिला जारी है। अमेरिका की एलिसन रिस्के को 6-0, 6-2 से हराकर 30वीं जीत दर्ज की। वे 2013 में सेरेना विलियम्स की लगातार 34 जीत हासिल करने के बाद लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हालांकि, मार्टिना नवरातिलोवा की लगातार 74 जीत से वह काफी दूर हैं। मार्टिना ने 1984 में यह करनामा किया था।

स्विटेक ने अब तक खेले गए पिछले 45 सेटों में से 44 में जीत हासिल कर ली है और इस साल फरवरी में दुबई में हुए टूर्नामेंट में पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको से हारने के बाद से अपराजित हैं। वही इस साल 15 बार उन्होंने एक सेट 6-0 से जीता है। वहीं, मैंस सिंगल्स के पिछले साल के उपविजेता स्टेफानोस सितसिपास भी तीसरे दोर में प्रवेश कर चुके हैं। उन्होंने दूसरे राउंड में चेक क्वालिफायर ज़्डेनेक कोलार को 6-3 7-6 (8) 6-7 (3) 7-6 (7) से हराया। वर्ल्ड नंबर दो डेनियल मेदवेदेव ने गुरुवार को सर्बियाई लास्लो जेरे के खिलाफ 6-3, 6-4, 6-3 से जीत के साथ फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश किया। प्री-क्वार्टर में नडाल-जोकोविच के बीच हो सकता है मुकाबला मैंस सिंगल्स में नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल भी तीसरे दौर पर पहुंच गए हैं। अगर दोनों अपने-अपने मैच जीत लेते हैं तो प्री क्वार्टर फाइनल में दोनों का सामना हो सकता है। जोकोविच ने एलेक्स मोलकन को दूसरे राउंड में 6-2, 6-3, 7(7)-6(4) से हराया। अब उनका सामना बडेने से होगा। जोकोविच डिफेंडिंग चैंपियन हैं। वे 21वां ग्रैंड स्लैम जीतकर नडाल की बराबरी करने के लिए फ्रेंच ओपन में उतरे हैं। अब तक उन्होंने 20 ग्रैंड स्लैम में 8 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2 बार फ्रेंच ओपन, 6 बार विंबलडन ओपन और 3 बार US ओपन का खिताब जीता है। वहीं, 5वीं सीड राफेल नडाल ने सी मौटेट को 6-3, 6-1, 6-4 से पराजित कर तीसरे दौर में प्रवेश किया है। उनका मुकाबला डच खिलाड़ी बी वैन डे के साथ है। नडाल की नजर 22वें ग्रैंड स्लैम पर है। नडाल ने अब तक 13 फ्रेंच ओपन के अलावा, 2 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2 विंबलडन ओपन और 4 US ओपन जीते हैं।

ताइवान पर हमले का खतरा:एक्सपर्ट बोले- अमेरिका को हराने लायक होते ही ताइवान पर हमला करेगा चीन

राष्ट्रपति जिनपिंग को जिस दिन लगेगा कि वो अमेरिका को हरा सकते हैं, तब ही हमला होगा। ताइवान पर चीनी हमला 2030 से 2035 के बीच हो सकता है।
प्रो. स्टीव त्सांग

चीन बड़ा व्यापारी तो बन गया है, लेकिन उसके पास डॉलर और पश्चिमी बॉन्ड नहीं हैं। चीन की आबादी की एवरेज एज भी तेजी से बढ़ रही है। वहां के राष्ट्रपति जिनपिंग को जिस दिन लगेगा कि वह अमेरिका को हरा सकते हैं, तब ही हमला होगा। ये यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के एसओएस चाइना इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रो. स्टीव त्सांग का आकलन है। उन्होंने दैनिक भास्कर के साथ बातचीत की। पढ़िए इस बातचीत के कुछ अंश...

क्या ताइवान पर चीन जल्द हमला करेगा?रूसी हमले के यूक्रेनी जवाब को देखकर हालात बदल रहे हैं। चीन पर निर्भर देश अब अपनी निर्भरता कम कर रहे हैं। जिनपिंग का कार्यकाल 2035 तक है। युद्ध 2030 से 2035 के बीच कभी हो सकता है।क्या अमेरिका, चीन का मुकाबला करने में सक्षम है?

अमेरिका केवल चीन को रोकना चाहता है। अमेरिका इतना चाहता है कि ताइवान के पास सैन्य और अन्य संसाधन इतने रहें कि चीन आक्रमण करने से कतराए। अमेरिका के लिए ये जीत है, जबकि चीन इसे अपनी हार मानता है। जिस दिन जिनपिंग को लगे कि वे युद्ध जीत सकते हैं, युद्ध रुक नहीं सकेगा।चीन और अमेरिका के लिए ताइवान महत्वपूर्ण क्यों है?ताइवान अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर निर्माता है। चीन, ताइवान पर कब्जे से अमेरिकी टेक्नोलॉजी प्रभुत्व खत्म होगा। जिनपिंग हारे तो चीन में कम्युनिस्ट पार्टी खत्म होगी। युद्ध में हार देख ताइवान अपना सेमीकंडक्टर बेस खत्म कर देगा, जो चीन और अमेरिका के लिए खतरनाक होगा।भारत पर असर नहीं पड़ेगा?चीन को आशा नहीं है कि भारत दखल देगा। चीन को नहीं लगता कि भारत, अमेरिका के साथ खड़ा होगा। मैं मानता हूं कि भले ही भारत, चीन को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा माने, लेकिन चीन ऐसा नहीं मानता।क्या अमेरिका, ताइवान की मदद करेगा?अमेरिका ताइवान को बचाने के लिए तो आ सकता है, लेकिन यदि ताइवान चीन को भड़काए तो वह ताइवान के कदम का कतई समर्थन नहीं करेगा। चीन को दिक्कत ताइवान में बेहतर लोकतंत्र से है।

स्टारलिंक को बर्बाद करना चाहता है ड्रैगन !:चीन ने मस्क का सैटेलाइट तबाह करने का प्लान बनाया, इसके लिए तकनीक खोज रहा

चीन एलन मस्क की सैटेलाइट स्टारलिंक के नेटवर्क से डर रहा है। अब उसने स्टारलिंक के नेटवर्क को तबाह करने के लिए नई टेक्नोलॉजी की खोज शुरू कर दी है। चीन को डर है कि ये सैटेलाइट अमेरिकी सेना की मदद कर सकते हैं, जो उसके लिए खतरा बनेंगे।

साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट के मुताबिक, बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैकिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन्स और चीन की डिफेंस इंडस्ट्री स्टारलिंक सैटेलाइट को जरूरत पड़ने पर नाकाम करने को लेकर खोज कर रही है। रिसर्चर्स ने एक स्टडी पब्लिश की है। स्टारलिंक की एक्टिविटी पर होगी नजर इस स्टडी में कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होने पर एलन मस्क के स्टारलिंक को तबाह कर दिया जाएगा। इसमें बताया गया है कि स्टारलिंक सैटेलाइट को नाकाम करने के लिए टेक्नोलॉजी बनाई जा रही है। रिसर्चर्स का कहना है कि एक ऐसा सिस्टम बनाया जाएगा जो स्टारलिंक की एक्टिविटी को ट्रैक और मॉनिटर करेगा।

चीन को किस बात का खतरा

चीन को इस बात का डर है कि ये सैटेलाइट अमेरिकी सेना की मदद कर सकता है। स्टारलिंक अमेरिकी ड्रोन और स्टील्थ फाइटर जेट्स की डेटा ट्रांसमिशन स्पीड को 100 गुना बढ़ा सकता है।

चीन को डर है कि ये सैटेलाइट अमेरिकी सेना की मदद कर सकते हैं।

क्या है स्टारलिंक

एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ने स्टारलिंक सैटेलाइट का एक नेटवर्क बनाया है। इसमें हजारों छोटी-छोटी सैटेलाइट हैं, जो धरती के लो अर्थ ऑरबिट में मौजूद हैं। ये सैटेलाइट इंटरनेट की सुविधा देती हैं।

रूस ने भी दी थी धमकी

हाल ही में रूस की रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख दिमित्री रोगोजिन ने मस्क को धमकी दी थी। दरअसल, फरवरी में रूसी सैनिकों ने यूक्रेन में इंटरनेट सुविधा को तबाह कर दिया था। इसके बाद से ही मस्क की कंपनी स्पेसएक्स यूक्रेन में इंटरनेट सुविधा प्रदान कर रही है और सैनिकों की मदद कर रही है। इसके बाद से टेस्ला के CEO मस्क को जंग के बीच यूक्रेन की मदद करने के लिए रूस से धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

PAK के लोगों की दोहरी मुसीबत:IMF के दबाव में सरकार ने 30 रुपए प्रति लीटर महंगे किए पेट्रोल-डीजल; इमरान की नई धमकी

पाकिस्तान के सामने दोहरी मुश्किल खड़ी हो गई है। पहली- इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (IMF) ने सात दिन चली बातचीत के बाद पाकिस्तान को 6 अरब डॉलर का कर्ज देने पर हामी नहीं भरी। इसके बाद सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दाम 30 रुपए (पाकिस्तान करंसी में) प्रति लीटर बढ़ा दिए। वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने कहा- सरकार के पास फ्यूल के रेट बढ़ाने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं था। हम अब भी प्रति लीटर 56 रुपए की सब्सिडी दे रहे हैं।

दूसरी- इमरान खान ने शाहबाज शरीफ सरकार को 6 दिन में चुनाव की तारीखों को ऐलान करने का वक्त दिया है। उन्होंने धमकी दी है कि ऐसा न होने पर वो इस्लामाबाद और पूरे देश में मार्च निकालेंगे और धरना देंगे। अगर इसमें हिंसा हुई तो इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी।

पाकिस्तान में फ्यूल के नए रेट
पेट्रोल : 179.85
डीजल : 174.15
केरोसिन : 155.95
लाइट डीजल : 148.41
(नोट : कीमतें पाकिस्तानी रुपए में प्रति लीटर के हिसाब से हैं। भारत का एक रुपए पाकिस्तान के 2.61 रुपए के बराबर है। एक डॉलर का मूल्य पाकिस्तान के 202 रुपए के बराबर है)

IMF से बातचीत बेनतीजा

इमरान खान की सरकार गिरने के बाद IMF ने पाकिस्तान को दी जाने वाली 8 अरब डॉलर के कर्ज की तीसरी किश्त रोक दी थी। दो किश्तों के तौर पर पाकिस्तान को करीब 2 अरब डॉलर मिल चुके थे, लेकिन ये तो इमरान के दौर में ही खर्च हो गए थे।

इसके बाद शाहबाज सरकार के फाइनेंस मिनिस्टर मिफ्ताह इस्माइल 12 लोगों की टीम लेकर IMF के दोहा ऑफिस पहुंचे। 18 से 25 मई तक, यानी 7 दिन बातचीत चलती रही।

इस्माइल चाहते थे कि IMF किसी तरह दो महीने के लिए लोन की तीसरी किश्त जारी कर दे। कुल मिलाकर इकोनॉमी चलाने के लिए 2 अरब डॉलर चाहिए थे। इमरान को जब लगा कि सरकार जाने वाली है तो उन्होंने अगली सरकार के लिए जाल बिछा दिया। IMF उस वक्त कह रहा था कि पेट्रोल और डीजल प्रति लीटर 25 रुपए महंगा करो। इमरान ने महंगा करने की बजाए इसे 10 रुपए प्रति लीटर सस्ता कर दिया।

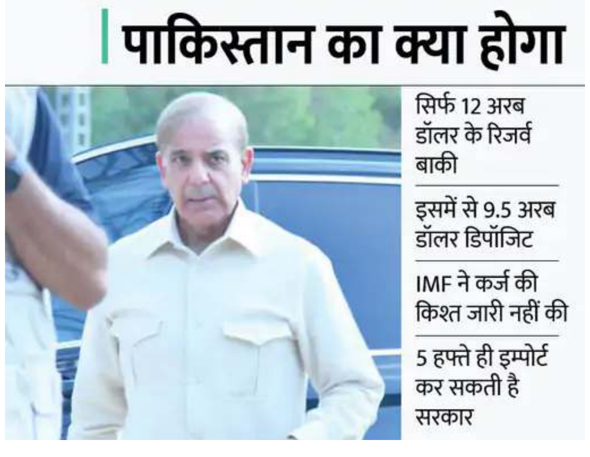

ऐश्वर्या राय का नाम इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार है। भले ही अब ऐश्वर्या फिल्मों में कम नजर आती हो, लेकिन उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। हाल ही में ऐश्वर्या ने कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरा था।

कंगना रनौट को नहीं आती ड्राइविंग 3 बार कर चुकी हैं एक्सीडेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौट की हालिया रिलीज फिल्म धाकड़ बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई है। इस फिल्म में कंगना ने जबरदस्त एक्शन सीन्स किए थे, लेकिन दर्शकों को उनका ये अंदाज पसंद नहीं आया। भले ही यह फिल्म असफल हो गई हो, लेकिन फिल्म की रिलीज के बाद कंगना ने एक लग्जरी कार खरीदी है। कंगना ने मर्सेडीज खरीदी है। भले ही कंगना के पास कई लग्जरी कारों का कलेक्शन है लेकिन क्या आप जानते है एक्ट्रेस को ड्राइविंग नहीं आती है। इस बात का खुलासा कंगना ने धाकड़ के प्रमोशन के दौरान किया था। जब कंगना से पूछा गया कि क्या उन्हें ड्राइविंग आती हैं? इसपर कंगना ने बताया कि उन्हें ड्राइविंग नहीं आती। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस के दौरान उन्होंने तीन बार कार एक्सीडेंट किए थे। कंगना के इस खुलासे का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

करियर के शुरुआती दौर में मॉडलिंग करने के लिए ऐश्वर्या को मिले थे महज इतने रुपए

ऐश्वर्या राय ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल साल 1991 में की थी। उन्होंने इंटरनेशनल सुपरमॉडल कॉन्टेस्ट जीता था। इतना ही नहीं ऐश्वर्या ने कई नेशनल और इंटरनेशनल मॉडलिंग चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। हाल ही एक्ट्रेस का 1992 का मॉडलिंग बिल सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ऐश्वर्या ने साल 1994 में मिस वर्ल्ड का ताज जीता था, लेकिन उससे दो साल पहले उन्हें मॉडलिंग असाइनमेंट के लिए 1500 रुपए का भुगतान किया गया था, जिसका बिल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। विमल उपाध्याय नाम के यूजर ने मैगजीन शूट की तस्वीरों को साझा किया है, जिसमें कैटलॉग फोटो और मैगजीन कवर शामिल हैं। इस ट्वीट में लिखा है, नमस्कार, आज मैं अपने द्वारा प्रकाशित फैशन कैटलॉग की 30 वीं वर्षगांठ मना रहा हूं। ऐश्वर्या राय, सोनाली बेंद्रे, निकी अनेजा, तेजस्विनी कोल्हापुरे इस कैटलॉग (एसआईसी) के लिए तैयार की गई कुछ मॉडल थीं। एक स्लाइड के साथ एक बिल भी जुड़ा दिख रहा है, जिसमें खुलासा हुआ कि ऐश्वर्या को एक मॉडल के रूप में एक दिन के लिए सिर्फ 1500 रुपए का भुगतान किया गया था। बता दें कि ऐश्वर्या राय ने हिन्दी फिल्मों में साल 1998 में और प्यार हो गया से डेब्यू किया था। ऐश्वर्या राय आखिरी बार साल 2018 में फिल्म फन्ने खां में नजर आई थीं।

उल्का गुप्ता शो बन्नी चाउ होम डिलीवरी में हुई शामिल

टेलीविजन शो झांसी की रानी में अपनी भूमिका के लिए जानी जाने वा अभिनेत्री उल्का गुप्ता को नए शो बन्नी चाउ होम डिलीवरी के लिए साइन किया गया है। यह शो एक मजबूत और उग्र लड़की, बन्नी की यात्रा के बारे में है, जो एक खाद्य वितरण व्यवसाय चलाती है, जहां वह उन लोगों के लिए घर का खाना बनाती है जो नौकरी की तलाश में शहर चले गए हैं। आपको बता दे छह साल के अंतराल के बाद उल्का पर्दे पर वापसी कर रही हैं। छोटे पर्दे पर अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए उल्का कहती हैं, यह एक पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया थी जिसके साथ मैंने खुद को बहने दिया। बॉलीवुड और डाउन साउथ में कुछ फिल्में करने के बाद, बन्नी चाउ होम डिलीवरी सही अवसरों में से एक थी। मैंने इसके साथ वापसी करने का फैसला किया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मेरे ग्राफ और अनुभव को ध्यान में रखते हुए, बन्नी एक ऐसी चुनौतीपूर्ण भूमिका है जिसे मैं अपने प्रशंसकों के लिए निभाना चाहूंगी। उल्का को प्रविष्ट मिश्रा के साथ कास्ट किया गया है, जो युवान नामक एक विकलांग चरित्र की भूमिका निभाएगा। बन्नी चाउ होम डिलीवरी 30 मई से हर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे शुरू हो रही है। स्टार प्लस पर।

अभिनेता प्राचीन चौहान ने ब्रदर्स डे के मौके पर शरद केलकर के लिए कहीं प्यारी बातें

आज ब्रदर्स डे है, ऐसे में टेलीविजन एक्टर प्राचीन चौहान अभिनेता शरद केलकर में एक भाई खोजने के बारे में खुलासा किया। एक्टर कहते हैं, मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मेरे भाई के रूप में मेरे आसपास शरद है। यह वर्षों में इस शोबिज उद्योग का हिस्सा बनने के सबसे अच्छे रिश्तों में से एक है। वास्तव में उनकी पत्नी कीर्ति और मैंने विपरीत अभिनय किया। एक टीवी शो सिंदूर तेरे नाम का के लिए एक दूसरे और शरद भी इस शो का हिस्सा थे। मैं उनसे पहली बार सेट पर मिला था। इसके बाद अब हम तीनों एक परिवार की तरह हैं। प्राचीन चौहान का कहना है कि, वह खुद एक कलाकार के तौर पर और एक इंसान के तौर पर शरद से काफी कुछ सीखते हैं। एक्टर का आगे कहना है कि, शरद और कीर्ति ने मुझे इतने वर्षों में इतना प्यार, स्नेह दिया है। उन्होंने सचमुच मुझे एक बच्चे की तरह लाड़-प्यार किया है और मैं उन्हें अपने जीवन में पाकर बहुत आभारी हूं। वे मेरे लिए प्रेरणा हैं। बात का जारी रखते हुए प्राचीन ने कहा कि, शरद जरूरत में एक दोस्त वास्तव में एक दोस्त है की सही परिभाषा हैं। वह मेरे जीवन के सबसे कठिन समय में चट्टान की तरह मेरे साथ खड़ा रहा है। मैं गर्व से कह सकता हूं कि वह अब मेरे लिए एक भाई है। प्राचीन को क्यूं होता है प्यार, कसौटी जिंदगी की और कुटुंब जैसे शो में काम करने के लिए भी जाना जाता है।

जो जीता वही सिकंदर के समय अक्षय को अभिनय नहीं आता था: मंसूर खान

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी 3 जून को प्रदर्शित होने वाली फिल्म पृथ्वीराज हिन्दुस्तान का शेर को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म को लेकर करणी सेना और गुर्जर समाज सडकों पर उतरने की तैयारी में है। फिल्म के विवादों में आने के बावजूद प्रोडक्शन हाउस ने इसका प्रचार जोर शोर से कर रही है। आज नामी सितारों में शामिल अक्षय कुमार का एक वक्त ऐसा भी था जब उन्हें रिजेक्शन झेलना पड़ता है। ऐसा ही एक वाक्या उनके साथ आमिर खान की फिल्म जो जीता वही सिकंदर को लेकर हुआ था जब इस फिल्म के निर्देशक ने उन्हें अपनी फिल्म के लिए अयोग्य करार दे दिया था। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने दीपक तिजोरी के कैरेक्टर के लिए ऑडिशन दिया था। लेकिन वो रिजेक्ट हुए थे। इस बारे में अक्षय ने कहा था, मैंने दीपक तिजोरी की भूमिका के लिए स्क्रीन टेस्ट दिया था। लेकिन उन्हें वो पसंद नहीं आया। मैंने अच्छा परफॉर्म नहीं किया था इसलिए उन्होंने मुझे हटा दिया। फिल्म को मंसूर खान ने बनाया था। उन्होंने अक्षय की इस बात का जवाब अब दिया है। बात करते हुए मंसूर ने कहा, अक्षय ने जो जीता वही सिकंदर से बाहर किए जाने के बारे में जो कहा है, उसने मुझे चौंका दिया। मुझे खेद है कि मैंने उन्हें रिजेक्ट कर दिया। लेकिन मैं उनके करियर से हैरान हूं। जिस समय हमने उनका स्क्रीन-टेस्ट किया, वह बहुत कडक थे। उनका शरीर बहुत बड़ा था। बस इतना ही। मंसूर ने आगे कहा, जिस तरह से उन्होंने रिजेक्ट किए जाने की बात कही है वो बहुत ही अपमानजनक और निंदनीय है। रिजेक्ट होने के बाद अक्षय ने मुझे कॉल भी किया था। चलो एक साथ काम करते हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वो खराब थे। दीपक तिजोरी से पहले मंसूर खान ने मिलिंद सोमन को सिलेक्ट किया था। उनके बारे में बात करते हुए फिल्ममेकर ने कहा, दीपक ने रोल के लिए टेस्ट दिया था और मैंने उनसे कहा था, दीपक आप बहुत अच्छे एक्टर हैं। लेकिन मुझे खेद है कि मैं मिलिंद सोमन के साथ उनकी फीजीक के लिए जा रहा हूं। अक्षय कुमार को मैंने कुछ नहीं कहा। शायद इस चीज ने उन्हें परेशान कर दिया। आखिरकार, जब जो जीता वही सिकंदर सुपरहिट हो गई तो उन्हें झटका लगा होगा। मैं उन्हें दोष नहीं देता। गौरतलब है कि दीपक तिजोरी को आखिरकार मंसूर खान ने बाद में लिया था। जबकि फिल्म करीब 70 प्रतिशत से ज्यादा मिलिंद के साथ शूट हुई थी।

एस्केप लाइव में अपने किरदार से कैसे जुड़ीं श्वेता त्रिपाठी

द गॉन गेम और मिर्जापुर जैसी फिल्मों के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी शर्मा का कहना है कि वह सिद्धार्थ कुमार तिवारी की एस्केप लाइव में अपने किरदार से अच्छी तरह जुड़ी हैं। श्वेता ने साझा किया कि वह अपनी ऑन-स्क्रीन भूमिका से कैसे जुड़ी है- सुनैना वह है जो बिना किसी एजेंडा के बिना शर्त समर्थन देती है और मै वास्तविक जीवन में ऐसी ही हूं, यह किरदार मेरे बहुत करीब है जिससे मुझे बहुत खुशी हुई है। लेखक-निर्माता-निर्देशक के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, वह बताती हैं कि यह बहुत समृद्ध, संतोषजनक था। वह आगे कहती हैं- मेरे लिए, यह न केवल मेरा काम है, बल्कि मैं जिस तरह के लोगों के साथ काम करती हूं, वह भी महत्वपूर्ण है। जब आप पूर्वाभ्यास, अभ्यास या वर्कशॉप कर रहे होते हैं, तो आप उन लोगों के साथ लगभग छह से 12 घंटे या उससे भी अधिक समय बिता रहे होते हैं, इसलिए उनका आप पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा, इस सीरीज की शूटिंग के दौरान मैंने बहुत कुछ सीखा है। सिद्धार्थ एक ऐसे व्यक्ति हैं जो मुझे प्रेरित करते हैं और मैं इसके लिए उनकी बहुत आभारी हूं। एस्केप लाइव सोशल मीडिया पागलपन पर केंद्रित है और अभिनेत्री ने साझा किया कि उसने इसे करने के लिए सहमत होने से पहले दो बार नहीं सोचा था।

अक्षय कुमार ने दिखाई दरियादिली

अक्षय कुमार बॉलीवुड इंडस्ट्री के एक दमदार एक्टर होने के साथ-साथ दिलदार इंसान भी हैं। कई बार उन्होंने पीड़ितों के प्रति दरियादिली दिखाकर इंसानियत की मिसाल पेश की हैं। कोरोना काल और लॉकडाउन में भी खिलाड़ी कुमार ने आगे बढ़कर लोगों की मदद की। वहीं, इस बार अक्षय ने आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए बड़प्पन दिखाया है। दरअसल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंगनवाड़ी के बच्चों की मदद के लिए एक नई पहल शुरू की है। इसकी जानकारी देते हुए सीएम ने ट्वीट कर लिखा, प्रदेश के बच्चों का सर्वांगीण विकास हम सबकी जिम्मेदारी है। आज मैं सायं 5.30 बजे प्रदेश की सड़कों पर निकलूंगा और आंगनवाड़ी के बच्चों के उपयोग की वस्तुएं जनसहयोग से एकत्रित करूंगा। आप से भी आग्रह है कि इस पुनीत प्रयास में हरसंभव योगदान दीजिए। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, शिवराज सिंह चौहान सर मुझे बहुत खुशी होगी अगर मैं किसी तरह आंगनवाड़ी के बच्चों के लिए कुछ कर सकूं। यह एक बेहतरीन पहल है और मैं आपको इसके लिए बधाई देने के साथ शुक्रिया अदा भी करता हूं।

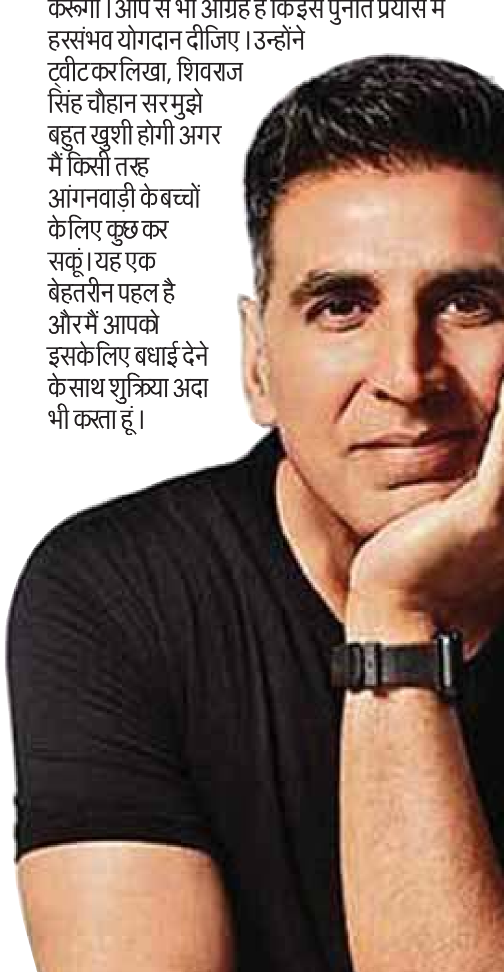

बिग रोज थीम ड्रेस में रुबीना ने ढाया कहर

टीवी की बहू यानि रुबीना दिलाइक टेलीवर्ड की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। टीवी की दुनिया में अपनी एक्टिंग का हुनर दिखा चुकी रुबीना जल्द ही बड़े पर्दे पर डेब्यू करने ही वाली हैं। एक्टिंग के साथ-साथ रुबीना अपने लुक्स को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। रुबीना अकसर ही अपने बोल्ड और स्टाइलिश फोटो को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को अमेज करती रहती हैं। हाल ही में हसीना ने बोल्डनेस का ऐसा तड़का लगाया कि सब पानी-पानी हो गए। लेटेस्ट तस्वीरों में रुबीना बिग रोज थीम वाली ड्रेस में कहर ढा रही हैं। डार्क और बेबी पिंक कॉम्बीनेशन की ड्रेस कैरी कर रुबीना लोगों को क्लीन बोल्ड कर रही हैं। हसीना ने अपने मेकअप फूशीया पिंक से साथ यूथफुल रखा है। इस लुक को रुबीना ने रेड लिपस्टिक से कंप्लीट किया है। हेयरस्टाइल की बात करें तो रुबीना ने बालों को स्ट्रेट कर ओपन रखा है। रुबीना कैमरे के सामने कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

वास्तुकला के क्षेत्र में बढ़ता दायरा

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

स्मार्ट शहरों का विकास, किफायती घर, बेहतर बुनियादी सुविधाओं की सुविधा, शहरी विकास और परिवर्तन, स्लम पुनर्वास, और सभी के लिए आवास जैसी परियोजनाएं भविष्य के वास्तुकारों के लिए कुछ संभावनाएं हैं। अनुमानों के अनुसार, इन सभी पहलों के लिए रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में कुशल व्यक्तियों की एक टास्क फोर्स की आवश्यकता होगी

वास्तुकला के स्नातकों को आज उन्हें दी जाने वाली कई अलग-अलग भूमिकाओं का लाभ उठाने के लिए, संरचनात्मक वास्तुकला, शहरी नियोजन, संपत्ति विकास, आपदा प्रबंधन में भागीदारी, आपदा राहत, पुनर्निर्माण और पुनर्वास समुदायों, और अन्य डिजाइन वास्तुकला सीखने की जरूरत है।यह महत्वपूर्ण है कि वे इंजीनियरिंग, योजना, डिजाइन, लोगों के प्रबंधन, टीम प्रबंधन, विक्रेता प्रबंधन, क्लाइंट-हैंडलिंग और उत्कृष्ट अपेक्षाओं जैसे विषयों में अपने कौशल को निखारें। उनका दायरा भी पूर्व-डिजाइन सेवाओं से लेकर लागत विश्लेषण समझने और ग्राहक की आवश्यकताओं को समझने और एक डिजाइन के साथ आने के बीच सही संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी, जो रचनात्मक और व्यावहारिक रूप से सही हो। निर्माण कंपनियों, बिल्डरों, निजी परामर्शदाताओं और कई अन्य के साथ विकल्प उपलब्ध हैं।

आर्किटेक्चर को करियर विकल्प के

और भूमि-उपयोग विश्लेषण, व्यवहार्यता रिपोर्ट, पर्यावरण अध्ययन से लेकर अंतिम निर्माण योजनाओं को विकसित करने तक, कई अन्य लोगों के बीच फैल गया है। योग्य पेशेवरों के लिए नौकरी की संभावनाएं बहुत हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो रचनात्मक हैं। एक वास्तुकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत में, आपको नौकरी पर रहने के सभी व्यावहारिक पहलुओं को रूप में चुनने के लिए, विज्ञान में HSC के बाद एक छात्र को आर्किटेक्चर में नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट (NATA) देना होगा और कार्यक्रम की पेशकश करने वाले संस्थान में प्रवेश लेना होगा। विवरण के लिए आप वेबसाइट nata.in देख सकते हैं और महाराष्ट्र में प्रवेश के लिए mahacet.org देखें, वास्तुकला के बारे में अधिक जानकारी के लिए देखें coa.gov.in

मुबंई साहित्य का समागम जुटे कलाकार हुआ 'जश्न ए फंकार'

**मुंबई तरंग,
गणेश पाण्डेय । भाईदंर**

गत सप्ताह शनिवार को समाजसेवी और कवि विक्रम सिंह के ख़्वाब फाउंडेशन के बैनर तले एक बेहद कमाल के लिटरेचर फेस्टिवल 'जश्न ए बहार' का आयोजन नवी मुम्बई वाशी सेक्टर 6,साहित्य मंदिर सभागृह मे संपन्न हुआ । जिसके मुख्य अथिति के रूप में संजीव नाईक लीलाधर नाइक, राय साहेब, इक़बाल कवारे ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम के आयोजक विक्रम सिंह ने इस तरह से साहित्य और अदब के लिए एक बेहतरीन और महत्वपूर्ण कदम को कुछ वर्षो से आगे बढ़ाया है उनके इस काम की तारीफ़ साहित्यिक कला और संस्कृति से जुडे लोग करते रहे हैं।इस साहित्य महोत्सव नए लिखने वालों के लिए ओपन माईक, क्लासिकल डांस परफॉर्मेंस, सूफ़ी संगीत, यूथ मुशायरा और ग्रांड मुशायरा जैसे प्रोग्राम का आयोजन आयोजित था। इस कार्यक्रम में देश के कोने कोने से फंकार कवि,शायर और कलाकारों ने हिस्सा लिया। हिंदी फिल्मो के गीतकार शकील आज़मी,गीतकारऔर कवि देवमणि पाण्डेय अंतरराष्ट्रिय शायर ज़ुबैर अली ताबिश,कवि पवन तिवारी,इस्माईल राज़, मुस्ताक़ अहमद मुस्ताक़, नवीन जोशी, विशाल बाग़,सतलज राहत, बसंत आर्या दुबे,अमित झा राही, विनित शंकर, शायरा शिखा पचौली और ज़हरा क़रार ने भाग लिया और कार्यक्रम को बेहतरीन अंजाम दिया। डांसर और कोरियोग्राफर रुतुजा गायकवाड,तनिष्का विशे ने अपने बेहतरीन परफॉरमेंस से लोगो का दिल जीत लिया वहीं रेशमी यादव ने अपनी सुरीली आवाज़ से महफ़िल मे चार चाँद लगाया तो तबला वादक विश्वास शिंदे ने कार्यक्रम मे आए लोगों का दिल जीत लिया।

आलीशान जिंदगी जीने के लिए चोरी करने लगा यूट्यूबर, कई घरों में डाला डाका, पुलिस ने दबोचा

मुंबई पुलिस ने एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है जो आलीशान जिंदगी जीने के लिए लोगों के घरों में चोरी करता था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे जिले के घरों को अपना निशाना शिकार बनाता था। मौके पर उसके पास से बड़ी संख्या में सामान मिला है।

आरोपी के पास मिली विदेशी मुद्रा

वीबी नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान अभिमन्यु गुप्ता (30) के रूप में हुई है। वह सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहता था और उसके यूट्यूब, फेसबुक पर बड़ी संख्या में फोलॉवर हैं।

साथ ही बताया कि अभिमन्यु गुप्ता के कब्जे से 14 मोबाइल फोन, धारदार हथियार, नकली आभूषण के साथ-साथ विदेशी मुद्रा जब्त की गई है।

एक घर से उड़ा दिए जेवर

उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते आरोपी अभिमन्यु उपनगर कुर्ला में एक बंद घर में घुस गया और सोने और चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गया। चोरी का पता तब चला जब घर में रहने वाले लोग लौटे तो देखा कि उनके जेवर गायब हैं। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

150 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज के बाद आरोपी की हुई पहचान

पुलिस सब-इंस्पेक्टर पद्माकर पाटिल ने कहा कि घटना के बाद पुलिस टीम ने 150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया, लेकिन शुरुआत में गुप्ता की पहचान करने में विफल रहे क्योंकि उन्होंने टोपी और फेस मास्क पहन रखा था। लेकिन, एक जगह उसने अपनी टोपी और चेहरे का मास्क हटा दिया और उसकी पहचान टिकटॉकर अभिमन्यु गुप्ता के रूप में हुई।

पुलिस ने जाल बिछाकर दबोचा

आगे बताया कि फिर हमें सूचना मिली कि आरोपी कुर्ला आ रहा है, जहां हमने जाल बिछाकर उसे दबोच लिया। उन्होंने दावा किया कि आरोपी ने मुंबई क्षेत्र में 15 से अधिक घर तोड़ने की बात कबूल की है, जिनमें से चार कुर्ला में हैं। उन्होंने कहा कि इंस्टाग्राम की जानी-मानी हस्तियों के साथ उसके वीडियो हैं। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि आरोपी ने कैसिनो में पैसे खर्च करने और महंगे कपड़े खरीदने की बात स्वीकार की है।

सीबीआई ने कोयला तस्करी मामले में तृणमूल कांग्रेस के विधायक को तलब किया

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कोयला तस्करी घोटाले की जांच के सिलसिले में गुरुवार को कैनिंग पूर्व से तृणमूल कांग्रेस विधायक शौकत मुल्ला को तलब किया। एजेंसी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुल्ला को शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजे सीबीआई अधिकारियों के सामने पेश होने को कहा गया है। अधिकारी ने कहा,"हमने उन्हें बुधवार को एक पत्र भेजा था, जिसमें उन्हें 27 मई की सुबह सीबीआई अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। उन्हें अपने साथ बैंक लेनदेन, पासबुक, पासपोर्ट, अन्य पहचान प्रमाण और अपने व्यवसाय से संबंधित कागजात लाने के लिए कहा गया है।" उन्होंने कहा, "घोटाले में शामिल अन्य लोगों से पूछताछ के दौरान मुल्ला का नाम सामने आया।" सीबीआई के अनुसार, कोयला घोटाला पश्चिम वर्धमान जिले के आसनसोल में शुरू हुआ था और बाद में नदिया, पुरुलिया और दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग तक इसके तार जुड़ते चले गए। इस मामले में अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

निदेर्शः जीएसटी की जांच के दौरान अधिकारी टैक्स जमा करने के लिए नहीं कर सकते बाध्य, होगी कार्रवाई

जीएसटी की जांच के दौरान अधिकारी किसी को भी टैक्स जमा करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं।

अधिकारियों के खिलाफ मिली शिकायतों के बाद जीएसटी जांच कार्यालय ने यह स्पष्टीकरण जारी किया है। जीएसटी जांच कार्यालय ने साफ किया है कि कोई भी करदाता जांच के दौरान कभी भी बकाया टैक्स जमा कर सकता है। जांच कार्यालय ने सभी मुख्य कमिश्नरों से कहा है कि जांच के दौरान कारोबारियों को टैक्स जमा करने के लिए बाध्य करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

जीएसटी की जांच शाखा ने स्पष्ट किया है कि तलाशी या निरीक्षण या जांच के दौरान बकाया वसूली की जरूरत वाली कोई भी परिस्थिति नहीं हो सकती है। हालांकि, इस तरह की कार्यवाही से पहले या अन्य किसी भी स्तर पर स्वेच्छा से भुगतान करने के लिए करदाताओं पर कोई रोक नहीं है। साथ ही अधिकारियों की ओर से करदाताओं को स्वैच्छिक रूप से टैक्स जमा करने की जानकारी देनी चाहिए।

एमएमआरजी एंड एसोसिएट्स के सीनियर पार्टनर रजत मोहन का कहना है कि इन निर्देशों का सही तरीके और ठीक उद्देश्य से पालन किया जाए तो कारोबार करने में आसानी होगी। हालांकि, अधिकतर विभागीय स्पष्टीकरणों की तरह इन निर्देशों का प्रयोग पूरी तरह से जांच दल पर निर्भर करेगा। अर्नस्ट एंड यंग इंडिया के टैक्स पार्टनर बिपिन सप्रा का कहना है कि नए निर्देशों से अधिकारियों की ओर से जांच के दौरान सख्त कार्यवाही पर रोक लगेगी। चूंकि अधिकारियों के पास बैंक खातों को तलब करने और फ्रीज करने का अधिकार है, ऐसे में किसी भी सीधे निर्देश से थोड़ी मदद मिल सकती है।

अवैध बार एंव रैस्टोरेंट पर आज भी चला मनपा का हथौड़ा

मुंबई तरंग, गणेश पाण्डेय । भाईदंर

मीरा भायंदर मनपा वार्ड संख्या 6 क्षेत्र में बार व रेस्टोरेंट के अवैध निर्माण पर आज भी मनपा का हथौड़ा बरसा है ज्ञात हो कि शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक और विधायिका गीता जैन के चेतावनी के बाद मनपा अतिक्रमण विभाग अब जगा है और लगातार चार दिन से अवैध निर्माण पर कार्यवाही की जा रही है। मीराभायंदर मनपा उपायुक्त (अतिक्रमण संभाग) मारुति गायकवाड़ के नेतृत्व में विभिन्न वार्डों में बार और रेस्तरां के अनधिकृत निर्माण का निरीक्षण किया गया. बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी वार्ड अधिकारियों को अपने वार्डों में अनधिकृत बार और रेस्तरां के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया. 26 मई को मीरा भायंदर मनपा वार्ड संख्या 6 में आम्रपाली लॉजिंग और सन सिटी ऑर्केस्ट्रा के अनाधिकृत निर्माण पर जेसीबी की मदद से कार्रवाई की गई. मनपा आयुक्त दिलीप ढोले के निर्देश मे यह कार्यवाही उपायुक्त (अतिक्रमण) मारुति गायकवाड़ की उपस्थिति मेवयह कार्रवाई की गयी. चंद्रकांत बोरसे और वार्ड नंबर 1 के वार्ड अधिकारी कविता बोरकर, कनिष्ठ अभियंता शुभम पाटिल, दुर्वेश अहिरे, सुदर्शन काले, चंचल ठाकरे, वैभव पेडवी, योगेश भोईर, विकास शेलके, संजय सोनी और विभाग के सभी अधिकारी एंव कर्मचारी तथा पुलिस कर्मी इस कार्यवाही के समय उपस्थित थे ।

30 मई तक नहीं होगी कार्ति चिदंबरम की गिरफ्तारी, विदेश से लौटते ही सीबीआई के समक्ष पेश हुए

चीनी वीजा घोटाले मामले में सीबीआई मुख्यालय में पूछताछ के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के बेटे व कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित चीनी वीजा घोटाले मामले में गिरफ्तारी से 30 मई तक अंतरिम सुरक्षा प्रदान की है। यानी कि 30 मई तक उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। बता दें कि यह मामला ईडी द्वारा दर्ज किया गया था। वहीं सीबीआई दफ्तर पहुंचने से पहले वे मीडिया से भी मुखातिब हुए और अपने ऊपर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि मैंने एक भी चीनी नागरिक को वीजा दिलाने में मदद नहीं की है। बता दें कि इससे पहले वह आईएनएक्स मीडिया मामले में जेल जा चुके हैं। विदेश से

लौटते ही सीबीआई के समक्ष पेश हुए कार्ति

ब्रिटेन और यूरोप की यात्रा से लौटने के बाद कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम बृहस्पतिवार को सीबीआई के सामने पेश हुए। सीबीआई ने रिश्वत लेकर चीनी नागरिकों को वीजा दिलाने के मामले में कार्ति से करीब नौ घंटे तक पूछताछ की। कोर्ट ने उन्हें देश में लौटने के 16 घंटे के भीतर सीबीआई के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था। कार्ति बुधवार को विदेश से लौटे और बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे सीबीआई मुख्यालय पहुंचे। वहां मौजूद पत्रकारों से कार्ति ने कहा कि उन पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। उन्होंने एक भी चीनी नागरिक को वीजा दिलाने में कोई मदद नहीं की। सीबीआई ने सुबह से ही उनसे पूछताछ शुरू और दोपहर में एक घंटे के लिए खाना खाने की छुट्टी दी। कार्ति से शाम छह बजे तक पूछताछ की गई। शाम 6 बजे के बाद सीबीआई मुख्यालय से बाहर आए कार्ति चिदंबरम ने कहा, यह राजनीतिक बदले के तहत की गई कार्रवाई है। मैं जांच में सहयोग करने को तैयार हूं और एजेंसी के दोबारे बुलाने पर पेश होऊंगा।

गुजरात: कंटेनर से 56 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त, इसकी कीमत करीब 500 करोड़ रुपये

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गुजरात के कच्छ जिले में मुंद्रा बंदरगाह के पास एक कंटेनर से 56 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया है। इसकी कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये बताई जा रही है। डीआरआई के एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हालांकि, डीआरआई के अधिकारियों ने जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत का खुलासा नहीं किया, लेकिन यह 500 करोड़ रुपये के करीब हो सकता है, क्योंकि एक किलोग्राम मादक पदार्थ (कोकीन) की अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 10 करोड़ रुपये कीमत है। अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर डीआरआई के अधिकारियों के एक दल ने कंटेनर की तलाशी ली जो कुछ समय पहले एक विदेशी देश से मुंद्रा बंदरगाह पर आया था और तब से पास के कंटेनर स्थल पर रखा हुआ था। उन्होंने अधिक विवरण दिए बिना कहा कि डीआरआई को 56 किलोग्राम कोकीन मिली जिसे आयातित वस्तुओं में छिपाकर रखा गया था।

केरल में समय पर नहीं आएगा मानसून, यूपी और बिहार के इन जिलों में होगी बारिश, जानें मौसम का ताजा हाल

मानसून से पहले देश में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। कई राज्यों में मध्यम से लेकर भारी बारिश हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां लगातार चार दिनों से मौसम सुहाना है। वहीं यहां आज भी आकाश में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहने वाला है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश और बिहार में भी बारिश की संभावना है। वहीं केरल की बात करें तो यहां 27 जून को मानसून आने की संभावना थी लेकिन अब मौसम विभाग के मुताबिक इसमें देरी हो सकती है। यानी कि 48 घंटे और इंतजार करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं प्रमुख राज्यों के मौसम का ताजा हाल...

उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के सितम के बीच मौसम विभाग ने राहत की खबर दी है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 28 मई तक 10 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, तो वहीं राज्य के 20 से अधिक जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के देवरिया, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर, गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर, सोनभद्र, चंदौली, वाराणसी, सीतापुर, बहराइच, कौशांबी, चित्रकूट, रायबरेली, अमेठी, बांदा, फतेहपुर, हमीरपुर और महोबा में

आज बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

बिहार

बिहार में पिछले सप्ताह जमकर बारिश हुई थी और अब एक बार फिर 28 मई से 30 मई के बीच भारी बारिश की उम्मीद जताई गई है। सुपौल, मोतिहारी, अररिया, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, किशनगंज, पूर्णिया, मधेपुरा, कटिहार, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, सहरसा और दरभंगा के क्षेत्रों सहित बिहार के उत्तरी क्षेत्रों में सर्वाधिक बारिश होगी। अन्य भागों में कुछ कम बारिश हो सकती है।

राजस्थान का मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में अगले 24 घंटों में टोंक, बूंदी, सवाई माधोपुर, कोटा, बारां. झालावाड़ के आसपास के क्षेत्रों में बारिश और बिजली गिर सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक यहां धूल भरी आंधी का मौसम रहेगा। हवा की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

मध्यप्रदेश में बारिश

मध्यप्रदेश के रीवा, चंबल, शहडोल, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, राजधानी भोपाल, सीहोर में बारिश होने की संभावना है।

छह दिन के ठहराव के बाद केरल की ओर बढ़ा मानसून

छह दिन ठहराव के बाद दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल की ओर बढ़ चला है। इसके यहां 27 मई तक पहुंचने की संभावना है। अभी यह श्रीलंका और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के विशेषज्ञों के मुताबिक मानसून के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। मानसून के अगले 48 घंटों में अरब सागर, पूरे मालदीव और लक्षद्वीप के में सक्रिय होने की संभावना है। मानसून विशेषज्ञों का कहना है कि असामान्य तरीके से मानसून 16 मई को ही अंडमान-निकोबार में पहुंच गया था। चक्रवात असनी के चलते इसके तेजी से आगे बढ़ने की संभावना थी। फिलहाल मानसून के उत्तर भारत में शीघ्र सक्रिय होने पर संशय बना हुआ है। शोधार्थी अक्षय देवसर के मुताबिक मानसून की बंगाल की खाड़ी वाली शाखा में 20 मई के बाद कोई प्रगति नहीं देखी गई।

मनपा महापौर द्वारा जल सुविधा का उद्घाटन

मुंबई तरंग, गणेश पाण्डेय । भाईदंर

गत बुधवार को प्रभाग 14 मत्स्य पाड़ा के मनपा शाला के सामने कासिगांव में मीरा भाईदंर महापौर ज्योत्स्ना हसनाले द्वारा बोरवेल डालने का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष महिला एवं बाल कल्याण समिति मीरादेवी यादव पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल ताटे वस्थानीय क्षेत्रवासी मौजूद रहे। यह बोरवेल जलआपूर्ति से नागरिकों को हो रही असुविधाओं को दूर करने के लिए मददगार होगा स्थानीय रहिवासियों ने महापौर का धन्यवाद व्यक्त किया।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।